जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 16 जुलाई, 2022

MARUTI SUZUKI

NEXA

THE ALL-NEW

XL6

TIME TO INDULGE

SCAN THE QR CODE
TO ENTER THE WORLD
OF INDULGENT COMFORT.

CREATE. INSPIRE.

Ventilated Seats

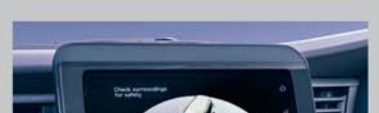

360 View Camera

6-Speed Automatic Transmission with Paddle Shifters

Tyre Pressure Monitoring System

Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
- FULL FRONTAL IMPACT
- FRONTAL OFFSET IMPACT
- SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250),
NEXA CENTRAL UDAIPUR (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

विचार बिन्दु

सारा हिन्दुस्तान गुलामी में घिरा हुआ नहीं है। जिन्होंने पश्चिमी शिक्षा पाई है और जो उसके पाश में फँस गए हैं, वे ही गुलामी में घिरे हुए हैं।

–महात्मा गाँधी

भाईचारा कैसे कायम हो, मेरा सवाल है आपसे

इस मुल्क के हर वाशिंदे को अपने आप से पूछना चाहिये कि वह क्या चाहता है? उसे हर दूसरे इन्सान से भी पूछना चाहिये कि वह क्या चाहता है, बशर्ते कि वह अपने होशो हवास में हो। पहले तो यह सवाल मैं अपने आप से ही पूछ लेता हूँ। मेरा जवाब है, 'अमन चैन'। अब मैं अपने हम वतन लोगों से पूछूँ कि हमारा रिश्ता क्या है? मैं लिख रहा हूँ इसलिये जवाब भी मैं ही दूँगा। हम सभी हिंदुस्तान में रहने वाले हैं इसलिये हिंदुस्तानी हैं। हिंदुस्तान को भारत और इन्डिया भी कहा जाता है, जो हम भारतीय व इन्डियन भी जाने जाते हैं। हमारी पहली जाति हिंदुस्तानी, भारतीय, इन्डियन हुई। नेशनेलिटी के बतौर हर जगह देश-विदेश में हमारी यही पहचान बनती है। उसके बाद खोदा-खोदी करने पर पूछा जायगा कि हम मर्द हैं या औरत। और आगे हमारी उम्र, हमारा तजुर्बा, हमारी काबिलियत पूछे जायेंगे, अगर हम विदेश जाना चाहते हैं। हाँ, धर्म भी बाद में पूछा जा सकता है कि जिसके आधार पर पासपोर्ट व वीज़ा में कोई फर्क नहीं पड़ता। हम इस मुल्क में रहें या मुल्क से बाहर जायें हम सभी एक ही वतन के रहने वाले इन्सान हैं। और आप सब मानेंगे कि हम एक ही मुल्क जिसे हम मातृभूमि, मादरे वतन या मदर लेण्ड कहते हैं उसे माँ, मदर कहने के कारण उसी के बेटे-बेटी हैं और इस लिहाज से सभी भाई-बहन हुए। अब देखिये 'हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, सब हैं भाई-भाई' का नारा क्या ग़लत है? नहीं, वह सही है, और हमारा खयाल कुछ और है तो वह ग़लत है। क्या हम सभी अपने वतन में अमन-चैन और उसकी बेहबूदी नहीं चाहेंगे? आप चाहेंगे न!

अब मेरा सवाल तथाकथित बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वर्ग से है। क्या हम दोनों ही वर्ग इस मुल्क में अमन-चैन व बेहबूदी पसंद नहीं करेंगे? क्या हमारे संविधान के अनुसार हम सभी के साथ बिना भेदभाव व पक्षपात के न्याय नहीं होना चाहिये? आजकल मज़हब के नाम पर दोनों ही वर्गों को भेदभाव की शिकायत है। मैं यह नहीं कहता कि एक बात एक वर्ग पर लागू हो और दूसरे पर नहीं। आजकल छोटी-छोटी बातों पर दोनों वर्ग एतराज करते हैं। क्या हम नीचे लिखे मुद्दों पर एकमत नहीं हो सकते?

(1) आप इबादत करिये, हम सेवा-पूजा करें।

(2) न आप शोर करिये न हम करें।

(3) आम रास्तों व सार्वजनिक जगहों पर हमारी इबादत या सेवा-पूजा से कोई रुकावट न हो।

(4) आप हमारे देवी-देवताओं की इज्ज़त करें और हम आपके पीर-पैगम्बर की।

(5) हम सभी मर्द और औरत सर्व शक्तिमान की कृतियाँ हैं। उसने हम सबको बराबर बनाया है बल्कि औरत को ऊँचा दर्जा दिया है चूँकि वह हमारी औलादों को जन्म देती है, परवरिश करती है। उसे केवल बच्चे पैदा करने की मशीन हम सभी कभी न समझें। उसको भी बराबरी के हक हकूक दें।

हम सभी हिंदुस्तान में रहने वाले हैं इसलिये हिंदुस्तानी हैं। हिंदुस्तान को भारत और इन्डिया भी कहा जाता है, जो हम भारतीय व इन्डियन भी जाने जाते हैं। चेतिये, सोचिये, देश बड़ा है कि आपका स्वार्थ, जो इस देश में पैदा नहीं हुए, जो इस देश में पाले-पोसे नहीं गये, जो इस देश में पले-बड़े नहीं हुए, जो इस देश के भूगोल, इतिहास, मौसम, कृषि, सभ्यता-संस्कृति और समस्त जीवनशैली से ही परिचित नहीं, उनसे देश क्या अपेक्षा कर सकता है?

(6) औरतों को भी आज़ादी से जीने का अधिकार है उस पर पर्दा लादना बुज़दिली है।

(7) बहुसंख्यक अपने धर्मशास्त्रों की सीख के अनुसार गाय को पूज्य मानते हैं, इस भावना का अल्पसंख्यक आदर करें।

(8) दोनों ही पक्ष एक-दूसरे के धार्मिक आयोजनों में सहयोग करें, विरोध व पत्थरबाज़ी नहीं।

(9) दोनों ही वर्ग इस मुल्क को अपना समझें और कोई काम ऐसा न करें जो मुल्क के हक में न हो।

(10) अगर किसी मुद्दे पर मतभेद हो तो छोटे-बड़े न्यायालयों में फैसला करवायें, खुद ही शिकायत कर्ता, पेरोकार और न्याय कर्ता न बन जायें।

अब मेरा सवाल विपक्षी नेताओं से है कि क्या वे विपक्ष में होते हुए भी इसी मुल्क के नागरिक नहीं हैं, और यदि हैं तो फिर ऐसा काम न करें जो मुल्क के खिलाफ हो। पहला काम तो ये करिये कि पक्षपात छोड़ दीजिये जो वाजिब है। सही को सही और गलत को गलत कहना सीखिये। अल्पसंख्यक हों या बहुसंख्यक दोनों ही आपके देश के भाई-बहन हैं, केवल हुकूमत पाने के लिये और अपना वोट बैंक बढ़ाने हेतु किसी का पक्ष मत लीजिये। जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय के आधार पर राजनीति करके आप लोग कब तक देश में विभाजक रेखाएँ खेंचते रहेंगे? क्या आप अपने दुष्प्रभावों का परिणाम नहीं देख रहे हैं। क्या भारत का विभाजन दर विभाजन इसी नीति से नहीं हो रहा है? आप लोग ही परिवारवाद और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण को सबसे ज़्यादा प्रश्रय दे रहे हैं, क्या यह उचित है? इस देश से विश्व के अन्य देशों में गये भारतीय मूल के लोगों विशेष कर हिंदुओं को प्रताड़ित किया जाय तो उनको आश्रय कहाँ मिल सकता है? केवल भारत में ही ना? बर्मा और बांग्लादेश के रोहिंग्या और अन्य मुस्लिम नागरिकों को अवैध प्रवेश और प्रश्रय देकर क्या हम देश के प्रति गद्दारी नहीं कर रहे हैं? आप जानते हैं आप गलत कर रहे हैं, परंतु सत्ता लोलुपता ने आपको अंधा बना दिया है। देश की समस्याओं को क्यों बढ़ा रहे हैं आप? येन, केन, प्रकारेण आप सत्ता चाहते हैं, केन्द्र व राज्य में काबिज़ रहना चाहते हैं, भले ही देश गुलाम हो जाय, देश में आबादी का व आर्थिक संतुलन बिगड़ जाय। भले ही अंततोगत्वा आपका स्वयं का अस्तित्व ही समाप्त हो जाय। चेतिये, सोचिये, देश बड़ा है कि आपका स्वार्थ, जो इस देश में पैदा नहीं हुए, जो इस देश में पाले-पोसे नहीं गये, जो इस देश में पले-बड़े नहीं हुए, जो इस देश के भूगोल, इतिहास, मौसम, कृषि, सभ्यता-संस्कृति और समस्त जीवनशैली से ही परिचित नहीं, उनसे देश क्या अपेक्षा कर सकता है? परंतु जो इस देश की मिट्टी में पैदा होकर, बड़े होकर इसी मिट्टी को आत्मसात करना चाहते हैं, वे सोचें, आपका इस मिट्टी, इस मातृभूमि के प्रति क्या कर्त्तव्य है? आप सोचेंगे तो सही निर्णय पर पहुँचेंगे।

बुद्धिजीवी एवं पत्रकार, कुछ नेता व अभिनेता, कुछ न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारी पता नहीं किसका क्या कर्ज चुका रहे हैं कि देश विरोधी कार्यों व निर्णयों का ही पक्ष लेते हैं? सही और गलत में नीर-क्षीर विवेक का परिचय न देकर सही का विरोध करते हैं, गलत का ही पक्ष लेते हैं, पक्षपात स्पष्ट दिखाई देता है।

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, परंतु आज सारे विश्व को संकट में डालने वाले आतंकवादी कौन हैं? वे हैं कट्टरपंथी जो एक धर्म विशेष को सारे विश्व में फैलाने का दम भरते हैं। दरअसल ये इस दुनियाँ को सैकड़ों साल पीछे ले जाना चाहते हैं। क्या मध्यपूर्वी एशिया और अफगानिस्तान में जो हुआ वही आप सारी दुनिया में करना चाहते हैं? पहले जिसे वे काफिर कहते हैं उन सभी को मारें और फिर अपने भाई-बहनों को मारें। याद रखिये हम सभी को इसी मुल्क की मिट्टी में ही जीना और मरना है। और जब यहीं जीना-मरना है तो अमन चैन से क्यों न जियें और मरें? ए मेरे वतन के लोगो, मेरो सवालों पर, मेरे सुझावों पर ग़ौर करना और फिर फैसला लेना कि क्या करना है। हर इन्सान चैन से जिये और दूसरों को भी चैन से जीने दे यही ईश्वर चाहता है। धर्म शास्त्र और धर्माचार्य कुछ भी कहें यह हम सभी मानते है कि यह सारी सृष्टि ईश्वर की बनाई हुई है, उसे नष्ट करने का हमें कोई हक नहीं है। हमारी कोशिश हो कि हम उसे बेहतर बनायें, और यह नहीं कर सकते तो कम से कम उसे बिगाड़ें नहीं, उसे खूबसूरत से बदसूरत न करें। इस मुल्क में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सबका भाईचारा रखना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

झुक आई बदरिया सावन की

प्रेमी रसिकों का महिना सावन है। सावन के समीर के स्पर्श से बिछुडे हुए प्रेमियों के हृदय में विरह की पीडा हरी हो जाती है और उनके मिलन की आकांक्षा प्रबल हो जाती है। ऐसे सुहावने मौसम में अपने सुनहरे पैरों को समेटे और श्वेत पंखों को पसारे कजरारे बादलों को चीर कर उडती हुई बक पंक्ति वर्षा के आनन्द में उन्मत्त प्रेमियों के हृदय में उल्लास पैदा कर देती है।

पाबस ऋतु के शीतल, मंद, सुगंध पवन के वातावरण में जब धरा वधु हरित परिधान पहन अपने प्रियत्तम को रिझाने का प्रयत्न करती है, उस समय श्याम सुन्दर की प्रेयसी गोपिकाओं का मदन जाग उठता है और वह उद्धव के द्वारा अपना संदेश भेजती है –

''मधुकर भली करो तुम आये
इतनी पतियां मोरी दीज्यों, जंहा श्याम घन छाये।
दादुर, मोर पपीहा बोलत, सोवत मदन जगाये॥''

इस प्रकार से यदुवंशी महाराज श्रीकृष्ण के मथुरा चले जाने पर गोपिकायें विरह से व्याकुल हो गई। उन्होंने स्वंय ही वर्षा का रूप धारण कर लिया –

''निस दिन बरसत नैन हमारे,
सदा रहत पावस ऋतु हम पर, जब तें श्यमा सिधारे।
दृग अंजन लागत नहीं कबहूं, कर कपोल भये कारें।
कंचुकी पट सूकत नहीं सजनी, उर बिच बहत पिनारे॥''

गिरधर गोपाल की दीवानी मीरां को वर्षा ऋतु के आगमन से कुछ संतोष मिलता है। वर्षा की बूंदों की आहट में उसे मदन मोहन के पदचाप की भनक सुनाई देती है –

''झुक आई बदरिया सावन की,
सावन की मन भावन की।
नन्हीं नन्ही बूंदन मेहा, शीतल पवन सुहावन की।
ऐसे में उमग्यो मेरो मनवा, भनक सुनी हरि आवन की।
'मीरां' के प्रभु गिरधर नागर, आनंद मंगल गावन की॥''

महाकवि घनानंद भी जीवनदायी मेघों से निवेदन करते है कि वह उनके आसुंओ को लेजाकर उस स्थान पर बरसायें, जहां उनकी

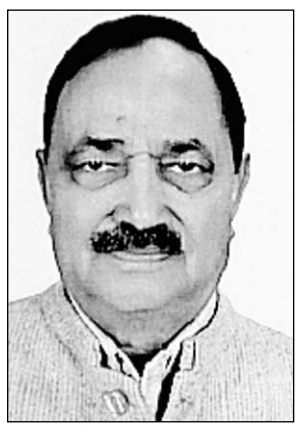

देवीसिंह नरूका

प्रिया (सुजान) निवास करती है। शायद इन्हें देखकर उसे उनकी याद आजायेगी-

''घन आनंद जीवन दायक हो, कछु मेरियो पीर हिये हरसो।
कबहूं वा विलासी 'सुजान' के आंगन मो अंसुवान की ले बरसो॥''

कविवर सेनापति की नामिका के प्राण तो उसके प्रियतम में ही है। वर्षाकाल में वह उनके बिना डर के मारे विष खाकर मर जाना ही। उचित समझती है-

'सेनापति' प्राणपति, सांची हो कहत एक,
पाई के तिहारे पांई, प्रानन को पाइहों।
इकली डरी हो धनु देखके डरी हों
खाई विष की डरी हो घनश्याम मरीजे हों॥''

उत्तर प्रदेश के एक लोकगीत में कल्पना की उडान का रसास्वादन कीजिये। बिजली गोरी है और बादल काले हैं। यह ऐसा लगता है जैसे श्याम वर्ण, के पुरूष के गोरी स्त्री हो। बादल से रंग लेकर कन्हैया का जन्म हुआ और बिजली ने अपना रंग राधिका को दिया है–

''गोरी गोरी बिजुरी बदरवा बा करिया,
करिया मरदवा के गोर की महरिया।
बदरा से रंग मांगि जन्मे कन्हैया,
देहले बा राधिका के रंगवा बिजुरिया॥''

घनघोर बादल गर्जन कर रहे हैं, ऐसे में विरहणी की वेदना ओर भी बढ़ जाती है। राजस्थानी रमणी कहती है कि बिजली तो निर्ल्लज है, वह तो कहना नहीं मानेगी किन्तु हे मेघ! तूं तो कुछ लज्जा कर और धीरे-धीरे गर्जन कर–

''बीजलियां निल्लजियां, जलधर तूं ही लज्ज।
सूनी सेज विदेश पिय, मधुरई मधुरई गज्ज॥''

सावन माह में स्वछन्दता पूर्वक हंसने, गाने, खेलने, झूलने तथा सहेलियो के साथ हंसी-ठिठोली करने के लिए राजस्थानी बाला को पीहर की याद आती है और कामना करती है कि इस समय पीहर में होती तो कितना अच्छा होता –

''लाग्यो लाग्यो मां सावणिये रो मास,
तीज तिवांरा मां बावड़ी जे,
ओर सहेल्यां मां पीहरये न जावे,
हूं तो तरसूं मां सासरे जे॥''

इसी प्रकार से हरियाणा की युवती भी झूला झूलते हुए मार्ग की ओर देखती है कि शायद उसका छोटा भाई उसे पीहर ले जाने के लिए आ रहा है–

''झूले चढ़कर देखण लागी, छोटा बीरा आवे सै।''

देवीसिंह नरूका,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

ऐसा मंदिर जहां सीए रखते हैं भक्ति का हिसाब

- **पांच करोड़ जाप का रिकॉर्ड, एक-एक का लेखा-जोखा कौन कितना टाइम देता है**
- **यह जाप केवल सावन के महीने में ही होता है**

श्रीगंगानगर, (निसं)। राजस्थान का एक ऐसा मंदिर, जहां आने वाले हर भक्त के भक्ति का हिसाब रखा जाता है। यहां तक कौन-कितना टाइम देता है और कितनी माला जपता है इसका भी लेखा-जोखा इस मंदिर में हर समय आपको मिल जाएगा। बताया जाता है कि यहां अब तक सबसे ज्यादा 5 करोड़ बार जाप हो चुका है। दरअसल, यह मंदिर है श्रीगंगानगर शहर के अग्रसेन चौक में हैं। जो रामेश्वरम सेवा समिति शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है।

यहां श्रद्धालु सावन में शिव के पंचाक्षरी मंत्र ओम नम: शिवाय का जाप करते हैं। खास बात यह है कि यह हिसाब मंदिर के प्रवक्ता पवन मित्तल रखते हैं, जो पेशे से सीए है। मंदिर समिति अध्यक्ष उमाशंकर मित्तल ने बताया कि मंदिर की स्थापना 20 साल पहले हुई थी। समिति के पदाधिकारी सादुलशहर के एक शिव मंदिर में गए थे। वहां ओम नम: शिवाय जाप होते देखा तो रामेश्वरम मंदिर में भी इसकी शुरुआत करने की सोची। इसके बाद वर्ष 2007 में मंदिर में एक लक्ष्य लेकर ओम नम:शिवाय जाप किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि इससे पहले आयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए सिया राम जय जय सियाराम सियाराम जयराम जय जय राम के करोड़ों जांप करवाने का लक्ष्य दिया था। तभी मंदिर में सिद्धी के लिए ओम नम: शिवाय के करोड़ों जाप का लक्ष्य रखा। पहली बार मंदिर समिति की ओर से 21 लाख जाप पूरे करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पहली ही बार में यह 27 लाख तक पहुंच गया। इसके बाद संख्या करोड़ों तक पहुंच गई। मंदिर में सावन के महीने में 5 करोड़ से ज्यादा का जाप हुआ। जाप किए मंत्रों का ब्यौरा यहां के पुजारी को बताना पड़ता है। पुजारी इन मंत्रों का हिसाब किताब बनाकर मंदिर के प्रवक्ता को भेजता है। मंदिर प्रवक्ता पेशे से सीए होने के कारण वे अंतिम तौर पर इसे जांचते हैं और सबसे ज्यादा जाप करने वाले पंद्रह श्रद्धालुओं को सम्मानित किया जाता है। वे बताते हैं कि भक्ति के हिसाब-किताब के लिए रजिस्टर मेंटेन किया गया है। इसमें हर श्रद्धालु का हिसाब किताब उसके नाम के हिसाब से रखे जाते हैं। यह जाप केवल सावन के महीने में ही होता है। श्रद्धालु मंदिर में आकर माला फेरते हैं। एक माला के बाद एक कमल गट्टा अपने पास रखी कटोरी में डाल देते हैं। इस तरह जब वह जाप करके उठता है तो जितने कमल गट्टे उसकी कटोरी में होते हैं वह उतनी ही मालाएं मंदिर के पुजारी को दर्ज करवाता है। मंदिर समिति प्रवक्ता सीए मित्तल बताते हैं कि चूंकि वे इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं ऐसे में मंत्रों का भी बखूबी हिसाब रखते हैं। माला में मनके 108 होते हैं लेकिन वे सौ मनकों की माला के हिसाब से ही हिसाब लगाते हैं।

विश्व सांप दिवस आज

- **सापों के लिए दयालु बनें, दुश्मन नहीं मित्र हैं इंसान के**
- **विश्व भर में सांपों की 3500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं**

झुंझुनूं, (कासं)। सांप को देखते ही अक्सर हम में से अधिकांश लोग सांप को देखते ही कांप उठते हैं। लेकिन वास्तव में हमें इनसे भयभीत नहीं होना चाहिए, क्योंकि सांप इंसान के दुश्मन नहीं, बल्कि दोस्त हैं। लेकिन हमारे अवचेतन मन में बैठे डर की वजह से हम सांपों को देखते ही होश खो बैठते हैं और उन पर हमला कर देते हैं। यह भी देखने को मिला है कि साधारणतया सांप इंसान को नहीं काटते हैं, जब तक कि उन पर हमला नहीं हो या उनमें सुरक्षा का भाव नहीं आए।

एक सच यह भी है किस सांप भी हमसे उतना ही डरते हैं, जितना हम सांपों से। विश्व भर में सांपों की 3500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं।

इनमें से कुछेक ही जहरीली होती हैं। भारत में भी पाए जाने वाले सांपों में से केवल 4 प्रजाति कोबरा करैत, रसेल वाइपर, सॉव स्केल्ड और वाइपर ही जहरीले हैं। लेकिन सांप इंसान के लिए बेहद उपयोगी, जैव चक्र के लिए भी बेहद जरूरी हैं। दरअसल ये सांप खेतों में फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े-मकोड़ों और चूहों को खा जाते हैं।

जिससे न केवल खाद्य शृंखला सुचारू संचालित होती है, बल्कि इंसान को फसल उत्पादन में फायदा होता है। इसी वजह से कई स्थानीय बोलियों में सांप को क्षेत्रापाल भी कहा जाता है। सांपों का महत्व समझाने के उद्देश्य से ही 1967 में अमेरिका के टेक्सस में सर्वप्रथम सांप दिवस मनाया गया था।

इसके बाद से प्रतिवर्ष सांप दिवस मनाया जाता रहा है। तो इस सांप दिवस को हम भी शपथ लें कि सांपों को बेवजह परेशान नहीं करेंगे और उन्हें मारने की बजाय किसी विशेषज्ञ से पकड़वाकर जंगल में छुड़वाएंगे। झुंझुनूं जिले में भी सांप को पकड़ने के विशेषज्ञ बीएल सैनी है। जिनसे आपके घर में सांप निकलने पर वन विभाग के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है।

बरोडिया के सरकारी स्कूल का भवन हुआ जर्जर, छत गिरने का खतरा

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर उपखण्ड क्षेत्र के बरोडिया गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का वर्षों पूराना भवन जर्जर अवस्था में पहुंच चूका है। जिसके कक्षा-कक्षों की छत टूटकर नीचे गिरने लग गई है। वहां पर शुक्रवार को ग्रामीणों ने कक्षाओं का संचालन बंद करवा दिया और भवन की मरम्मत करने और नये कमरे बनाने की मांग रखी।

इस पर शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे तो वहीं वल्लभनगर पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर भी मौके पर पहुंच करके स्कूल भवन का निरीक्षण किया।

वर्षों पूराने भवन में कभी भी गिर सकती हैं छत : बरोडिया स्कूल का भवन वर्षों पूराना होने की वजह से जर्जर अवस्था में पहुंच चूका है। इस कारण भवन की छत क्षतिग्रस्त होकर टूटनी शुरू हो गई। स्कूल में पढने वाले बच्चों ने अपने अभिभावकों को जब भवन की दूर्दशा के बारे में बताया तो शुक्रवार को सभी ग्रामीण एकत्रित होकर स्कूल पहुंच गये। यहां पर उन्होंने जर्जर भवन में कक्षाओं के संचालन को बंद करवा दिया।

बरोडिया गांव के सीनियर स्कूल की जर्जर छत।

वहीं आन्दोलन करते हुए नये भवन की मांग करने लगे। इस पर स्कूल

- **ग्रामीणों ने स्कूल संचालन बंद करवा भवन की मरम्मत की मांग रखी**

स्टॉफ ने शिक्षा विभाग को सूचित किया। जिस पर भीण्डर सीबीईओ कार्यालय से सीबीईओ महेन्द्र जैन, सहायक सीबीईओ भेरूलाल सालवी मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही उपतहसीलदार भीण्डर भंवरसिंह झाला भी मौके पर पहुंच करके जर्जर भवन की स्थिति देखी और ग्रामीणों से बातचीत की।

इस दौरान उपतहसीलदार भंवरसिंह झाला को ग्रामीण महिलाएं दूसरे विद्यालय के परिसर तक पैदल लेकर गई और बताया कि यहां कैसे कीचड में से होकर बच्चे स्कूल आते है। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि भवन के मरम्मत के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज रखा है।

पूर्व विधायक भीण्डर भी पहुंचे स्कूल : सोशल मीडिया पर जब स्कूल के जर्जर भवन के वीडियो देखे तो वल्लभनगर पूर्व विधायक रणधीरसिंह भीण्डर तुरन्त बरोडिया गांव पहुंचे। यहां पर उन्होंने भवन का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से जानकारी ली। इस दौरान शिक्षा विभाग के उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि भवन की मरम्मत करने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज रखा है। लेकिन स्वीकृति नहीं मिलने के कारण कार्य अटका हुआ है। इस पर पूर्व विधायक भीण्डर ने कहा कि प्रस्ताव के बारे में जिला कलेक्टर से मिलकर जल्द स्वीकृति दिलाने का प्रयास करूंगा। इसके अलावा ग्रामीणों ने नये भवन की भी मांग रखी तो भीण्डर ने कहा कि नये भवन व कमरों को भी प्रस्ताव बनाकर भिजवा देते हैं, जिससे स्वीकृति मिलने पर उनका भी निर्माण हो जायेगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 16 जुलाई, 2022

सावन मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र सांय 5:31 तक, आयुष्मान योग रात्रि 8:49 तक, विष्टि करण दिन 1:28 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा दिन 1:28 तक है। आज सावन संक्रांति, सूर्य कर्क में प्रवेश रात्रि 10:57 पर करेगा। पूण्य काल 10:57 से है। बुध कर्क राशि में रात्रि 12:10 पर होगा। आज चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:54 पर होगा। आज जया पार्वती व्रत पारणा, पंचक है और मनसा पूजा बंगाल में आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:28 से 9:10 तक, चर 12:23 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:37 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:19

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धन प्राप्त होगा।

मिथुन

धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला

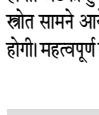

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्य योजना बनेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक

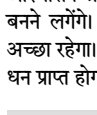

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु

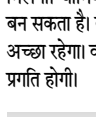

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मकर

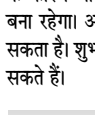

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

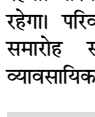

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मीन

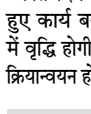

अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में भय और असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 253 प्रभात उदयपुर, शनिवार 16 जुलाई, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

सुर्ख रंगों वाली एशिया की एक सॉन्ग बर्ड ने ब्रिटेन के बाग बगीचों में घर बना लिया है। अत्यधिक आक्रामक रैड बिल्ड लाओथ्रिक्स चिड़ियाँ स्थानीय पक्षी प्रजातियों, खासकर रॉबिन और ब्लैकबर्ड जैसी गार्ड्न बड्र्स के लिए खतरा बन सकती हैं। जैतून जैसे हरे रंग, सुर्ख लाल चोंच और पीले गले वाली इन चिड़ियों ने देश के दक्षिणी भागों के बगीचों व जंगलों में खुद को स्थापित कर लिया है। विल्टशायर और सॉमरसैट में इनकी काफी तादाद है। साउथ वेल्स, मर्सीसाइड और कैन्ट में भी कुछ पक्षी हैं। पालतू पक्षियों के व्यापार में इन्हें पीकिन रॉबिन कहा जाता है। समझा जाता है कि यह जो आबादी है वह ''कैप्टिविटी'' से भागी है। दो दशकों में इस पक्षी ने यूरोप में अपनी रेंज में दोगुना विस्तार किया है तथा इटली, स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस में भी अब इनकी आबादी अच्छी तरह स्थापित हो गई है। क्लाइमेट संकट बढ़ने के साथ दक्षिणी ब्रिटेन का वातावरण तो इन्हें बहुत रास आ रहा है। शोध के मुख्य लेखक, यू.के. सैंटर फॉर इकॉलजी एण्ड हाइड्रॉलजी के रिचर्ड ब्रोटन ने कहा कि, ''ये अगले रिंग्ड नैक्ड पैराकीट साबित हो सकते हैं और यह ''चेंज'' लोगों को नज़र आएगा।'' ब्रिटेन में वर्ष 2019 से 2022 के बीच रैड बिल्ड लाओथ्रिक्स नज़र आने के 16 रिकॉर्ड्स हैं, जिनमें से 10 में इनके झुण्ड नज़र आने की बात कही गई थी। शोधकर्ताओं को सोशल मीडिया और गूगल इमेजेज़ ढूंढने पर ये रिकॉर्ड मिले। ब्रोटन ने कहा, और भी कई पक्षी हैं जिनके बारे में हमें पता नहीं है। तेज और मधुर आवाज़ में गाने वाली इन एशियन सॉन्ग बड्र्स को जैपनीज़ नाइटिंगेल भी कहते हैं। चूंकि ये एकांतवासी पक्षी हैं इसलिए लम्बे समय बाद जब इनकी जानकारी मिली तब तक इनकी आबादी बहुत बढ़ चुकी थी। रैड बिल्ड लाओथ्रिक्स की जीवनशैली, गाना, घर बनाने का तरीका, सब कुछ स्थानीय रॉबिन, ब्लैक बर्ड और ब्लैक कैप्स जैसा है, इसका अर्थ है कि, इन पक्षिओं के लिए लाओथ्रिक्स गंभीर खतरा हैं। रॉबिन और ब्लैक बर्ड टैरिटोरियल पक्षी हैं जबकि रैड बिल्ड लाओथ्रिक्स सामूहिक रुप से घोंसले बनाती हैं, ताकि ज्यादा सघन प्रजनन कर सकें। छोटी सी, मात्र 15 सेंटीमीटर लम्बी ये चिड़ियाँ भारत और नेपाल में हिमालय से लेकर चीन, म्यांमार और वियतनाम तक समूचे दक्षिण पूर्व एशिया में मिलती हैं। इन्हें घने और नमी वाले जंगल पसंद हैं। यूरोप में ये 20वीं सदी के अंत में आई थीं और अब 37 से ज्यादा अलग-अलग क्षेत्रों में मिलती हैं।

राहुल कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे या नहीं?

यह गुत्थी अभी सुलझी नहीं है, पर प्रियंका गांधी ने अब पार्टी के पदाधिकारियों व अन्य नेताओं से सीधा सम्पर्क करना शुरू कर दिया है

- **क्या प्रियंका गांधी चाहती हैं कि नेता व पदाधिकारी अपनी वफादारी राहुल से शिफ्ट कर के उनके प्रति रखें।**
- **इसी संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि, हाल ही में ए.आई.सी.सी. में कई नये सचिव नियुक्त हुए हैं। उन्हें नियुक्ति से पूर्व सोनिया गांधी ने स्वयं फोन करके सूचित किया कि, उनका चयन कर लिया गया है और उन्हें सचिव बनाया जा रहा है। शाम तक उनके पास नियुक्ति पत्र पहुंच गये थे और पार्टी ने उनके नाम उजागर करते हुए प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की थी।**
- **क्या इसका मकसद यह था कि, ये नव नियुक्त पदाधिकारी प्रियंका गांधी से अनुग्रहित हों।**
- **दूसरी ओर राहुल गाँधी इस बात में रूचि नहीं लेते कि, किस को नियुक्त किया जा रहा है और किस को नहीं। राहुल के खिलाफ यह भी शिकायत दबी ज़ुबान में की जाती है कि, वे अपने वफादारों के पक्ष में कभी खड़े नहीं होते।**
- **दूसरी ओर यह भी उल्लेखनीय है कि, प्रियंका कई राज्यों के मामलों में, जैसे पंजाब, छत्तीसगढ़, राजस्थान आदि में सीधी और स्पष्ट रूचि ले रही हैं।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। गांधी परिवार में समस्याएं बढ़ती जा रही है क्योंकि प्रियंका गांधी पार्टी के पदाधिकारियों व अन्य नेताओं से सीधा सम्पर्क कर रही है ताकि उनकी निष्ठा उनके भाई राहुल गांधी से हटकर उनके स्वयं के प्रति हो जाए।

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव 20 अगस्त से 20 सितम्बर के बीच में होना है और सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी चाहती है कि पार्टी में ज्यादा से ज्यादा लोग यह मांग करे कि अगर राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बनना चाहें तो प्रियंका गांधी को अध्यक्ष बनाया जाए। ऐसा उदयपुर शिविर में भी हुआ था जहां आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यह मांग उठाई थी।

समझा जाता है कि हाल ही में बड़ी संख्या में ए.आई.सी.सी. सचिवों की नियुक्ति हुई है, उन सभी को प्रियंका गांधी ने फोन किया था और कहा कि उन्हे चुना गया है और सचिव नियुक्त किया जा रहा है। इस प्रकार यह जताया गया कि उन्हे प्रियंका गांधी ने नियुक्त किया है।

शाम तक उनके नियुक्ति पत्र जारी हो गए और पार्टी ने उनके नामों की घोषणा करते हुए प्रैस रिलीज़ जारी कर दी।

यह स्पष्ट है कि वे प्रियंका के प्रति एहसान रहेंगे और भले ही राहुल गांधी को उनका नेता बताया जाए तो भी वे प्रियंका का ही गुणगान करेंगे।

रोचक बात यह है कि राहुल गांधी कभी भी अपने लोगों के लिए खड़े नहीं होते हैं और किसे क्या पद दिया जा रहा है, इसमें भी उन्हें ज्यादा रूचि नहीं है।

पार्टी में नेतृत्व संघर्ष के मुद्दे पर भारी चिंता है क्योंकि राहुल इसमें खास रूचि नहीं दिखा रहे हैं और प्रियंका अपने समर्थकों की संख्या बढ़ाती जा रही है।

वे विभिन्न राज्यों में पार्टी मामलों पर सीधी निगरानी कर रही है और हस्तक्षेप कर रही है, चाहे वह राजस्थान हो, छत्तीसगढ़ हो, पंजाब हो या कोई अन्य राज्य।

राहुल गांधी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इस पर भी अटकलें ही लग रही हैं।

कांग्रेस ने मोदी के जुमले से वार किया प्र.मंत्री पर

- **कांग्रेस के अनुसार प्र.मंत्री ने 2014 में पुरजोर ढंग से कहा था, एक स्ट्रॉंग प्र.मंत्री चाहिये, रूपये के दाम गिरने से रोकने के लिये, पर अब रूपये की कीमत जो 2014 में 58 रूपये थी, एक डॉलर की तुलना में, पर अब एक डॉलर की कीमत लगभग अस्सी रूपये हो गयी है।**
- **कांग्रेस के प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि, अब हम मानें कि भारत का प्रधानमंत्री ''स्ट्रॉंग'' नहीं कमजोर हैं।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। ''जिस देश की सरकार अनैतिक और भ्रष्ट होती है वहां की करेंसी का मूल्य गिरता है। मैं कभी-कभी यह आश्चर्य करता हूं कि क्या केन्द्र सरकार और गिरते हुए रूपए के बीच रेस लग रही हैं। प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा रूपए के गिरते मूल्य से जुड़ी हुई हैं, यह जितना गिरेगा, प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता और गरिमा उतनी ही गिरेगी।''

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक भाषण में उक्त बयान ''जुमला'' दिया था, जिसे कांग्रेस ने फिर से उठाया है। पार्टी की सोशल मीडिया प्रमुख एवं प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेट ने एक प्रैस कांफ्रेंस में आश्चर्य जताते हुए कहा कि मोदी को अपने स्वयं के तर्क पर आप क्या कहना है।

उन्होंने कहा कि वह तो मोदी के स्वयं के शब्दों को बता रही हैं कि गिरता रूपया, उनकी गिरती प्रतिष्ठा है क्योंकि पहली बार भारतीय रूपए का मूल्य अमेरिकी डॉलर की तुलना में 80 रूपए से अधिक हो गया है और इसका कारण उनका आर्थिक कुप्रबंधन और बर्बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने से विफल रहना हैं।

यह ध्यान दिलाते हुए कि यह वही रूपया है, मोदी स्वयं जिसका संबंध प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा से जोड़ते थे, सुप्रिया ने रूपए की अनियंत्रित गिरावट को लेकर अपना यह संदेह साझा किया कि क्या मोदी हमारी करेंसी के साथ भी एक सैन्चुरी बनाने की तैयारियां कर रहे है। जैसी कि उन्होंने पैट्रोल के साथ बनाई हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व मोदी ने झूठा दावा किया था कि रूपए को मजबूत करने के लिए एक ''मजबूत प्रधानमंत्री'' की जरूरत है, लेकिन आज वह भारतीय करेंसी के लिए जहरीले और सर्वाधिक हानिकारक साबित हुए हैं क्योंकि इस कथित मजबूत प्रधानमंत्री ने अब तक के इतिहास में रूपये को सबसे कमजोर किया है। इसका मूल्य पिछले छह माह में 7 प्रतिशत से अधिक गिर गया हैं। सुप्रिया ने कहा कि ''प्रधानमंत्री कब तक करोना, रूस और यूक्रेन युद्ध की आड़ लेते रहेंगे? क्योंकि यह वही रूपया है जिसका मूल्य वर्ष 2014 में 1 डॉलर की तुलना में सिर्फ 58रूपए का और पिछले आठ वर्षो में पहले तो इसने रिटायरमैंट की आयु पार की, फिर मार्ग दर्शक मण्डल में चला गया और अब 80रूपए को पार कर गया है। पिछले 8 वर्षों में 1 डॉलर की तुलना में 22 रूपए बढ़ गए हैं। मोदी, आप अपनी गिरती हुई प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता के बारे में सोचिए। ये आपके ही शब्द है, ना कि हमारे।''

उन्होंने कहा कि रूपए के मूल्य में लगातार हो रही गिरावट कमर तोड़ मंहगाई को और तेजी बढ़ाएगी। पैट्रोल, डीजल और रसोई गैस के साथ ही आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे और ट्रेन व बसों के किराए में वृद्धि होगी जिसका सीधा असर हमारे भोजन की थाली में दिखाई देगा।

उन्होंने मोदी के चाटुकारों के कथन को खारिज कर दिया, जिसके अन्तर्गत वे मुद्रा के मूल्य में आई जबरदस्त गिरावट के लिये अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2013 के टेपर टैन्ट्रम के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व वाली यू.पी.ए. सरकार ने स्थिति को कैसे सँभाला था, जब विदेशी निवेशकों ने देश छोड़कर जाना शुरू कर दिया तथा रूपये के मूल्य में 15 प्रतिशत की गिरावट आई थी तथा मई से अगस्त के बीच रूपया 58रू प्रति डॉलर से 69 रू प्रति डॉलर हो गया था।

उन्होंने कहा कि उस समय यू.पी.ए. सरकार तथा तत्कालीन आर.बी.आई. गवर्नर रघुराम राजन ने मिलकर रूपये की स्थिति सँभालने के लिये कई तरीके अपनाये थे। इस प्रयासों के फलस्वरूप रूपये का मूल्य, तो 4 महीने के अन्दर 58 रूपए प्रति डॉलर हो ही गया था, एक ही साल में जी.डी.पी. ग्रोथ की दर 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गई थी। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोविड 19 संक्रमण

- **लगातार दूसरे दिन कोविड-19 संक्रमण के 20,000 से ज्यादा केस आए हैं और शुक्रवार को तो मरने वालों की संख्या भी बढ़कर 47 हो गई।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। भारत में शनिवार को लगातार दूसरे दिन कोविड-19 के 20,000 से अधिक नये केस आये हैं। शुक्रवार को 20,038 केस आये थे। तत्संबंधित मौतों की संख्या बढ़कर 47 हो गई, जिसमें केरल में पिछले दिन हुई 17 मौतें शामिल हैं।

पिछले 27 घंटे में सर्वाधिक 5 कोविड-19 मौतें पश्चिम बंगाल में हुई, इसके बाद महाराष्ट्र में 4, पंजाब और केरल में 3-3, हरियाणा, बिहार, आन्ध्र प्रदेश तथा उत्तराखंड में से प्रत्येक राज्य में 2 तथा दिल्ली गोवा, गुजरात, कर्नाटक, हिमाचल, नागालैण्ड एवं सिक्किम में 1-1 मौत हुई है।

देश में कोविड संक्रमण का कुल आँकड़ा 4,37,10,027 पहुँच गया, जिनमें से 5,25,604 लोगों की मृत्यु हो गई तथा 4,30,45,350 ठीक हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर बच्चे सात बजे स्कूल जा सकते हैं, तो जज 9 बजे कोर्ट में क्यों नहीं आ सकते'

सुप्रीम कोर्ट के भावी मुख्य न्यायाधीश, उदय उमेश ललित के इस सोच का व्यापक असर पड़ेगा न्यायालयों के कामकाज पर

- **सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों, रवीन्द्र भट्ट व सुधांशु धूलिया ने आज अपनी बैंच का कामकाज 9.30 बजे शुरू कर दिया, साढ़े दस बजे के बजाय।**
- **न्यायाधीश ललित का मानना है कि, अगर सुप्रीम कोर्ट का कामकाज सुबह नौ बजे शुरू होता है और दो बजे अपना काम खत्म करके उठ जाते हैं तो, उन्हें बाकी सारी शाम और समय मिल जाता है, अन्य मुकदमों की फाइलें पढ़ने के लिये।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उदय उमेश ललित आगामी अगस्त माह में चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) बनने वाले हैं, और इस पद पर तीन महीने तक रहेंगे। उन्होंने कोर्ट की कार्यवाही सुबह जल्दी शुरू करने का शुक्रवार को पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे सुबह 7 बजे स्कूल जा सकते हैं तो जज और वकील प्रात: 9 बजे काम शुरू क्यों नहीं कर सकते जो कि एक आदर्श समय है।

जब उनकी अध्यक्षता वाली एक बैंच ने सुबह प्रात:10.30 बजे के स्थान पर एक घंटा पूर्व 9.30 बजे दिन की कार्यवाही शुरू की तब उनकी टिप्पणियां तब सामने आईं।

इस बैंच में जस्टिस एस. रविन्द्र भट और जस्टिस सुधांशु धूलिया भी थे।

जमानत के एक प्रकरण में पेश हुए पूर्व अटॉर्नी जनरल एवं सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने साधारण समय के बजाए दिन को लेकर सुनवाई के अंत में बैंच की तारीफ की।

जस्टिस ललित ने अपने विचार व्यक्त किए कि यदि कोर्ट अपना काम जल्दी शुरू कर दें तो वह दिन का काम जल्दी निपटा सकती हैं और जजों को अगले दिन सुनवाई किए जाने वाले केसों पर नज़र डालने के लिए शाम को अधिक समय मिलेगा।

जस्टिस ललित ने कहा कि ''अदालतें प्रात: 9 बजे अपना काम शुरू कर मध्यान्ह 11.30 बजे आधा घंटे का ब्रेक ले सकती हैं और फिर दोपहर 2 बजे तक दिन का काम निबटा सकती हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी.सी.सी.आई.

- **बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि जिस याचिका में बी.सी.सी.आई. अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की गई है, उसकी शीघ्र सुनवाई की जाए।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बी.सी.सी.आई.) ने शुक्रवार को अपनी उस याचिका की शीघ्र सुनवाई की माँग की, जिसमें भारतीय क्रिकेट के इस सर्वोच्च निकाय के अध्यक्ष सौरव गांगुली तथा इसके सचिव जय शाह के वर्तमान कार्यकाल की वृद्धि की माँग की गई हैं। ये दोनों पदाधिकारी क्रिकेट-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस इतना मुस्कुरा क्यों रहा है?

कम माल बेच रहे हैं, पर फिर भी आमदनी बढ़ रही है, इससे खुशी तो होगी ही!

- **अमेरिका व अन्य यूरोपीय देशों द्वारा आर्थिक प्रतिबंध लगाने पर, एक बार रूसी मुद्रा गिरी थी, पर अब रूबल की कीमत युद्ध के पहले की कीमत से भी ज्यादा हो गयी है।**
- **कारण सीधा है, आर्थिक प्रतिबंधों के बाद, रूसी तेल और गैस को खरीदना मुश्किल हो गया था, स्वाभाविक ही है, ''शॉर्टेज'' (किल्लत) के कारण रूसी तेल व गैस की कीमतों में भारी वृद्धि हो गयी।**
- **प्राकृतिक गैस का प्रचलन बहुत बढ़ गया, ''प्रदूषण-फ्री'' होने के कारण। पर, यूरोप, रूस से उपलब्ध गैस पर इतना निर्भर व निश्चिन्त हो गया था कि, न तो वैकल्पिक स्रोत की ओर देखा और ना ही उनसे बातचीत की। अब यह भी सच है कि, गैस केवल ''लिक्विफाई'' (तरलीकरण) करके ही ट्रांसपोर्ट की जा सकती है और इतनी भारी संख्या में तरलीकरण प्लान्ट अभी उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि कभी लगाये ही नहीं गये।**
- **बहरहाल प्राकृतिक गैस के अभाव में ''फर्टिलाइज़र'' का उत्पादन भी नहीं हो रहा, क्योंकि फर्टिलाइज़र बनाने के लिये प्राकृतिक गैस, मूल ''रॉ मटीरियल'' है।**
- **फर्टिलाइज़र के अभाव में कृषि उत्पादन तो गिरेगा ही।**
- **एनर्जी के बाद, अनाज का भी संकट शायद एक साथ झेलने के लिये विश्व तैयार नहीं है। सबसे ज्यादा संकट उन देशों के सामने है, जो अब तक चीन पर निर्भर थे, अपनी इकॉनमी को चलाने के लिये। ऐसे देशों की सूची में प्रथम दो नाम हमारे पड़ोसी देशों के हैं, श्रीलंका व पाकिस्तान।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। यूक्रेन युद्ध के साढ़े तीन माह गुजरने के साथ ही इसके हानिकारक प्रभाव बड़े और छोटे देशों की अर्थव्यवस्था को समान रूप से पीड़ित कर रहे हैं। ऊर्जा की कीमतें आसमान छू रही हैं और उन्होंने लागत के स्थापित मानदण्डों को गड़बड़ा दिया है, भोजन संकट बढ़ रहा है और इससे गरीब देश सर्वाधिक प्रभावित हैं। आपूर्ति श्रृंखला विकृत हो गई है और जी.डी.पी. ग्रोथ रेट्स में भी कमी आ गई है।

विश्व अर्थव्यवस्था जो महामारी की भारी मार से उबरने लगी थीं फिर से मुश्किल में आ सकती है। इससे फिर से गरीबी आ सकती है, जिसे काफी हद तक नियंत्रित कर दिया गया था।

यूक्रेन वॉर और इसके प्रभाव पर गत सप्ताह दिल्ली के एक विचार मंथन हुआ जिसमें कई अर्थशास्त्री मौजूद थे, मॉन्टैक सिंह अहलुवालिया, शिवशंकर मैनन, मार्टिन वूल्फ (फाइनैंशियल टाइम्स, लंदन) और अजय सिंह मीटिंग में मौजूद थे। नोबल सम्मान प्राप्त लॉर्ड निकोलस स्टर्न श्रोताओं में चुपचाप बैठे थे, जब उन्हें पहचाना गया तो उनसे भी राय मांगी गई।

मार्टिन वूल्फ अपने डेटा बैंक, चार्ट और रेखाचित्रों के साथ तैयार थे, जिसके आधार पर उन्होंने साबित किया कि अर्थ व्यवस्थाएं किस कदर पीड़ित हैं जो संभवतया कुछ अतिशयोक्ति पूर्ण था। हम सभी इस मुश्किल को महसूस कर रहे हैं। दुनियाभर में अर्थव्यवस्थाओं में मंदी जैसे हालात आ रहे हैं, खास कर उनमें, जिनकी पूर्व में चीन ने मदद की थी, मसलन श्रीलंका और पाकिस्तान।

शायद बहुतों, खासकर पश्चिमी देशों के लिए दुख की बात यह है कि जिस देश को आर्थिक रूप से मटियामेट होते हुए देख रहे थे वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा हैं। अनुमान लगाने की जरूरत नहीं है। इस युद्ध के शुरु होने का पहला परिणाम है वैश्विक ऊर्जा संकट।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिव पूजा

- **वाराणसी ज्ञानवापी मस्जिद में मिले शिवलिंग की पूजा की अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दर्ज की गई है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय में एक दायर करके, वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद कॉम्प्लैक्स में पाये गये शिवलिंग की धार्मिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने की अनुमति माँगी गई है।

'श्री कृष्ण जम्मू भूमि मुक्ति दल' के अध्यक्ष राजेश मणि त्रिपाठी द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया है कि सावन का महीना 14 जुलाई को शुरु हो गया है तथा 12 अगस्त तक चलेगा। सावन के महीने में, हिन्दू भक्तों को यह अनुमति दी जाये कि वे ''अन्त:करण की स्वतंत्रता तथा व्यवसाय, व्यवहार की स्वतंत्रता तथा धर्म के प्रचार-प्रसार'' के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनटीए नीट यूजी-2022: देश की सबसे बड़ी मैडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' कल

रविवार को दोपहर 2 से शाम 5:20 बजे के बीच परीक्षा का आयोजन होगा

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जाने वाली देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल इलेजिब्लिटी कम एंट्रेंस टेस्ट नीट-यूजी 2022 का आयोजन 17 जुलाई, रविवार को दोपहर 2 से शाम 5:20 बजे के बीच होगा। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि परीक्षा पूर्णतया पेन एण्ड पेपर मोड पर होगी। यह परीक्षा एमबीबीएस, बीडीएस, बीएचएमएस, बीवायएमएस, बीयूएमएस, बीवीएससी एवं चयनित बीएससी नर्सिंग कॉलेज के पाठ्यक्रमों की करीब 1 लाख 40 हजार सीटों के लिए होगी। प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज जैसे एम्स व जिपमैर में प्रवेश भी इसी परीक्षा के माध्यम से होंगे।

मिश्रा ने बताया कि एनटीए द्वारा जारी की गई एडमिट कार्ड गाइडलाइन के अनुसार पहले परीक्षा के एडमिट कार्ड कम डिक्लेरेशन को अच्छे से कंप्लीट करें, इसमें परीक्षार्थी को फोटो (जैसा आवेदन पत्र में अपलोड किया गया) चिपकाना है तथा पेरेन्ट्स के सिग्नेचर करवाएं। परीक्षार्थी अपना एक पोस्टकार्ड साइज फोटो एडमिट कार्ड के साथ संलग्न निर्धारित परफोर्मा में चिपका कर परीक्षा केन्द्र पर साथ लेकर आएं। इसके अतिरिक्त एक समानांतर पासपोर्ट साइज फोटो भी लेकर आएं जोकि अटेंडेंस शीट पर चिपकाने के काम आएगा। परीक्षार्थी को स्वयं के साइन परीक्षक के सामने ही करने होंगे। जबकि बाएं हाथ के अंगूठे का इम्प्रेशन घर से लगाकर लाना होगा।

एडमिट कार्ड पर होलोग्राम लगेगा:- एनटीए ने इस बार व्यवस्था में परिवर्तन किया है। विद्यार्थी को बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस देनी होगी। बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस होने के बाद एडमिट कार्ड पर होलोग्राम चिपकाया जाएगा। परीक्षा के दौरान परीक्षक एडमिट कार्ड व होलोग्राम, दोनों की जांच करेगा। यदि होलोग्राम नहीं मिला तो विद्यार्थी को परीक्षा के बाद बॉयोमेट्रिक एक्टिविटी पूरी करने को कहा जाएगा।

ओरिजनल आइडी साथ लाएं:- मिश्रा ने बताया कि परीक्षार्थी ओरिजिनल आईडी जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, वोटर कार्ड अथवा 12वीं क्लास का प्रवेश पत्र जिसमें परीक्षा की फोटो आ रही

- परीक्षा पूर्णतया पेन एण्ड पेपर मोड पर होगी
- एम्स व जिपमैर में प्रवेश भी इसी परीक्षा के माध्यम से होंगे

हो, इनमें से कोई सी भी एक आइडी साथ लानी है। फोटो कॉपी किसी भी सूरत में मान्य नहीं होगी। विद्यार्थियों को पेन भी सेंटर पर ही दिया जाएगा। पर्सनल पारदर्शी वाटर बोतल, 50 मिलीलीटर का पर्सनल हैंड सेनेटाइजर की बोतल, और यदि कोई दिव्यांग है तो उससे संबंधित प्रमाण पत्र ले जाने होंगे।

मिश्रा ने बताया कि परीक्षार्थी कोई भी लाइट कलर ड्रेस पहन सकता है। छात्र ट्राउजर्स या पेंट जिसमें कि कोई मेटल बटन नहीं हो तथा हाफ शर्ट या टी-शर्ट पहन सकते हैं। छात्राएं सलवार कुर्ता, लेगिंग, पेंट या ट्राउजर्स, टी-शर्ट व कुर्ती पहन सकती हैं। किसी में भी मेटल के बटन नहीं होने चाहिए। पैरों में हाई हील की सैंडल जूते वर्जित हैं, नॉर्मल स्लीपर्स या सामान्य जूते पहन सकते हैं। आभूषण या मेटल की चीजें जैसे ताबिज, कड़ा पहनकर नहीं जाना है।

इन पर रहेगा प्रतिबंध-परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज जैसे केलकुलेटर, मोबाइल फोन, घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस ले जाना वर्जित है। एडमिट कार्ड, पोस्टकार्ड साइज फोटो हेतु निर्धारित परफोर्मा तथा ओरिजनल आईडी कार्ड के अलावा कोई कागज नहीं ले जाया जा सकता। परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश 11 बजे से शुरू हो जाएगा और 1.30 बजे तक चलेगा। सभी परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड पर अंकित कर अलग-अलग रिपोर्टिंग टाइम दिया गया है, इसी के अनुसार परीक्षा केन्द्र पहुंचे, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन रहे और भीड़ नहीं हो।

परीक्षा केन्द्र पर सावधानियां:- परीक्षा केंद्र में टच फ्री सैनेटाइजर मशीन पर अपने हाथ सेनेटाईज करने होंगे। नया मास्क सेंटर पर दिया जाएगा हालांकि परीक्षार्थी सेंटर पर स्वयं के मास्क के साथ ही परीक्षा केंद्र में दाखिल हों। इसके अलावा परीक्षार्थी स्वयं के साथ 50 एमएल सेनेटाइजर तथा पीने के पानी की पारदर्शी बोतल अपने साथ ले जा सकते हैं।

परीक्षा कक्ष की स्थिति:- ओएमआर शीट पर मुख्यतया अपना रोल नंबर, पेपर कोड, क्वेश्चन पेपर बुकलेट नम्बर तथा व्यक्तिगत विवरण को सबसे ज्यादा ध्यानपूर्वक भरें। ओवल भरते समय पेन की इंक दूसरे ओवल को ओवरलेप नहीं करे और न ही फैल करके ओएमआर को गंदा करे। कटिंग व ओवरराइटिंग, इरेजिंग भी नहीं करें। इस वर्ष एनटीए द्वारा जारी की गाइडलाइन के अनुसार मेन ओएमआर शीट तथा ओएमआर शीट की ऑफिस कॉपी दोनों ही इनविजीलेटर को परीक्षा समाप्त होने के बाद जमा करानी होगी, जो मेन ओएमआर शीट के साथ एनक्लोज होती है। एग्जाम खत्म होने के बाद में एडमिट कार्ड तथा पोस्टकार्ड साइज फोटो वाला परफोर्मा भी एग्जामिनर को देना होगा। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर एग्जामिनर को तुरंत सूचना दें। अपनी तरफ से किसी के अन्य विद्यार्थी के साथ डिस्कशन नहीं करें।

भरतपुर में हनुमान मंदिर के पुजारी को गला काटकर जान से मारने की धमकी

मंदिर की दीवार पर धमकी भरा पत्र चिपकाया

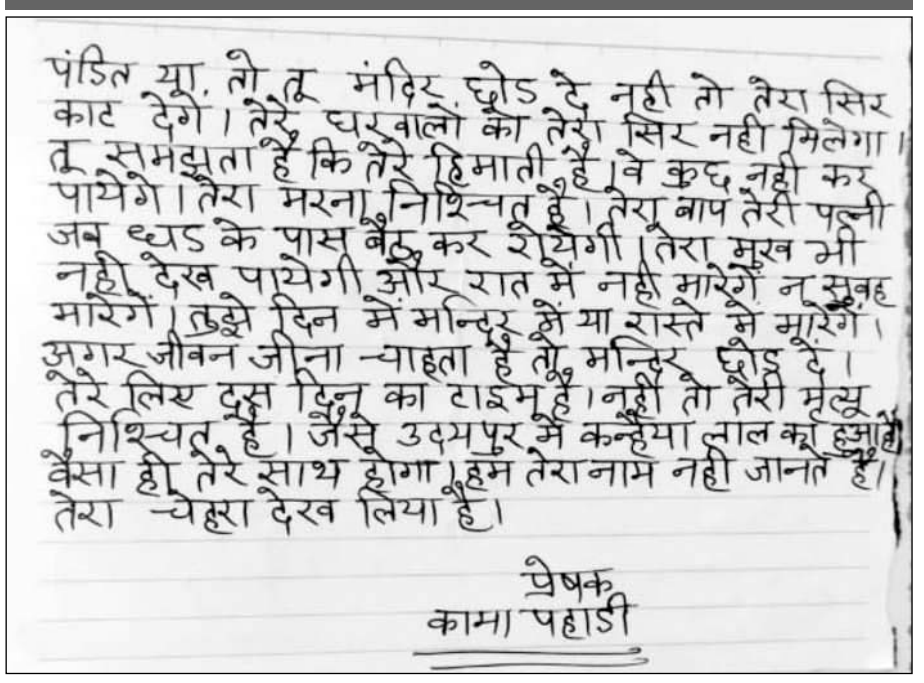
पंडित यू, तो तू मंदिर छोड दे नही तो तेरा सिर काट देगे। तेरे घर वालो को तेरा सिर नही मिलेगा। तू समझता है कि तेरे हिमाती है। वे कुछ नही कर पायेगे। तेरा मरना निश्चित है। तेरा बाप तेरी पत्नी जब धड के पास बैठ कर रोयेगी। तेरा मुख भी नही देख पायेगी और रात में नही मारेगे न सुबह मारेगे। तुझे दिन मे मन्दिर मे या रास्ते मे मारेगे। अगर जीवन जीना चाहता है तो मन्दिर छोड दे। तेरे लिए दस दिन का टाइम है। नही तो तेरी मृत्यु निश्चित है। जैसे उदयपुर मे कन्हैया लाल का हुआ वैसा ही तेरे साथ होगा। हम तेरा नाम नही जानते है। तेरा चेहरा देख लिया है।

प्रेषक
कामा पहाडी

भरतपुर के महारानी जया कॉलेज स्थित हनुमान मंदिन में चस्पा किया गया पत्र।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के महारानी जया कॉलेज में स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी को गला काटकर जान से मारने की धमकी का एक खत मिला है। सुबह जब मंदिर पर पुजारी आया तो मंदिर की दीवार पर एक लेटर चिपका हुआ था। जिसमें उदयपुर कांड की तरफ गला काटकर जान से मारने की धमकी लिखी हुई थी। जान से मारने की धमकी मिलने के बाद एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कॉलेज में प्रदर्शन किया। मंदिर के पुजारी ताराचंद शर्मा का कहना है की उसने सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट नहीं की है। फिलहाल मथुरा गेट थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

धमकी भरे पत्र में लिखा है कि मंदिर नहीं छोड़ने पर 10 दिन में उदयपुर के कन्हैया लाल की तरह सिर काट दिया जाएगा। पत्र में प्रेषक के रूप में कामा पहाड़ी लिखा है। धमकी भरे इस पत्र की सूचना के बाद पुलिस व कॉलेज प्रशासन मौके पर पहुंचा। मामले की जांच के लिए थाना मथुरागेट पुलिस ने पत्र को अपने कब्जे में ले लिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिये पुलिस संदिग्ध लोगों की तलाश में जुटी गई है। गौरतलब है कि पिछले दिनों मेवात क्षेत्र में भी एक अध्यापक व एक व्यापारी को भी इसी तरह धमकी भरा पत्र भेजकर

- पुजारी का कहना है कि उसने कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट नहीं की

सनसनी फैलाई गई थी।

एएसपी चंद्रप्रकाश दीक्षित का कहना है कि गश्त की टीम ने सूचना दी कि मंदिर में एक पुजारी के लिए कोई धमकी भरा लेटर चिपका गया है। मंदिर और पुजारी को लेकर पहले भी विवाद चल रहा था। इसलिए मंदिर पर नया पुजारी रखा गया है। मंदिर के पुजारी तारा चंद शर्मा का कहना है कि वह सुबह 4 बजकर 15 मिनट पर मंदिर में आए। मंदिर की सफाई के बाद वह मंदिर की गद्दी पर आकर बैठा। मंदिर की दीवार पर पर्चा चिपका हुआ था। जिसमें लिखा था पंडित तू मंदिर छोड़कर चला जा। तेरा चेहरा हमने देख लिया है। जैसे ही पूजारी ने लेटर को देखा तो पूजारी ने मंदिर कमेटी को सूचना दी। हनुमान मन्दिर की स्थापना अशैक्षणिक कर्मचारी संघ ने 1980 में की थी। जिस पर खेमचंद अग्रवाल नामक व्यक्ति ने हनुमान मन्दिर सेवा समिति बनाई। चर्चा है कि कुछ समय बाद मंदिर में असामाजिक तत्व आने लगे। मंदिर परिसर में असामाजिक गतिविधियों को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने वर्ष 2017 में देवस्थान विभाग को एक लेटर लिखा। जिस पर देवस्थान विभाग के आयुक्त ने मन्दिर को महाविद्यालय की भूमि पर निर्मित होने और देवस्थान विभाग के अधीन नहीं होने का हवाला देते हुए संचालन की जिम्मेवारी कॉलेज प्रशासन को ही दी। इस पर वर्ष 2018 में कॉलेज प्रशासन ने एक मन्दिर समिति बनाकर मन्दिर का सम्पूर्ण प्रशासन अपने हाथ में ले लिया। लेकिन मंदिर की सेवा पूजा कर रहे पुजारी मनोज शास्त्री को यथावत रखा। आरोप है कि पुजारी मनोज शास्त्री भी कुछ दिनों बाद ही असामाजिक गतिविधियों में लिप्त होने लगे। जिस कारण कॉलेज प्रशासन ने 25 अप्रैल 2022 को मनोज शास्त्री नामक पुजारी को हटाकर दूसरे पुजारी तारा चंद शर्मा को नियुक्त कर दिया। आरोप है कि अब इससे नाराज होकर पुजारी मनोज शास्त्री व खेमचंद अग्रवाल आए दिन साम्प्रदायिक सद्भावना खराब करने का प्रयास करते है। आस-पास के लोगों को साथ प्राचार्य कक्ष में आकर राज कार्य में बाधा डाली डाली जाती हैं। बार-बार कॉलेज आकर शांति भंग एवं धार्मिक उन्माद फैलाने का प्रयास किया जाता है।

डीजे बजाने को लेकर पुलिस और कावड़ियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों का हुआ विवाद

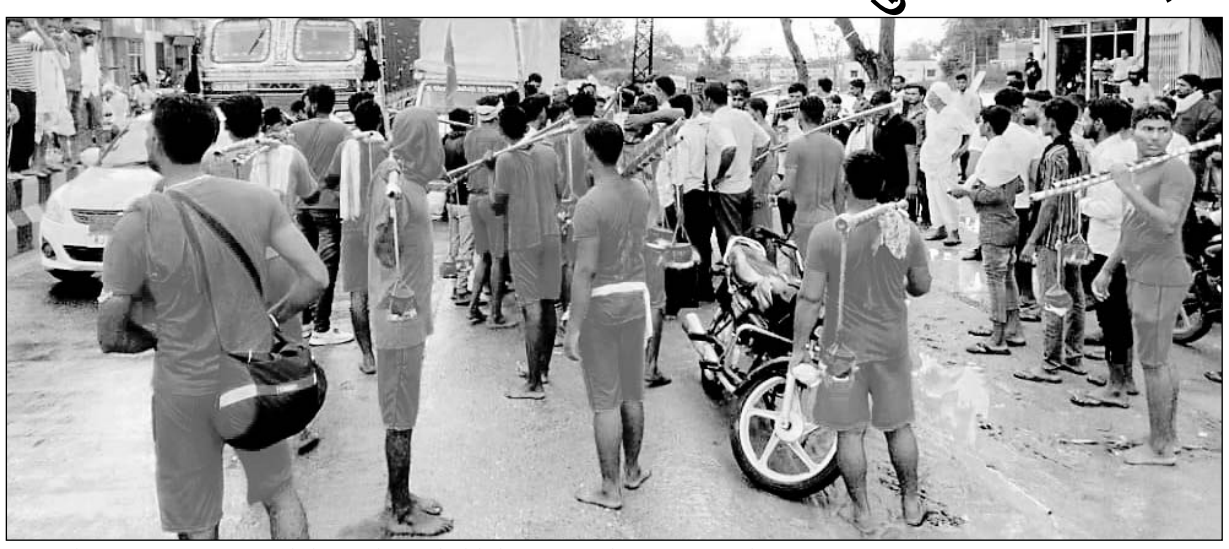

चाकसू में पुलिस व कांवड़ यात्रियों के आमने-सामने होने के बाद जाम के हालात बन गये।

चाकसू, (निसं)। शुक्रवार की शाम को कस्बे में उस वक्त अच्छा खासा बखेड़ा खड़ा हो गया जब पुलिस ने जयपुर से आ रही कावड़ यात्रा में डीजे को बजने से रोक दिया। इसे लेकर स्थानीय भाजपा पार्षद के साथ कुछ लोग पुलिस प्रशासन से वार्ता करने पहुंचे तो वहां मौजूद पुलिस प्रशासन से इन नेताओं की झड़प हो गई और मामला इतना गर्म हो गया कि एक पुलिस कर्मी ने भाजपा पार्षद के थप्पड़ मार दिया। जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई और नेशनल हाइवे पर यातायात अवरुद्ध हो गया। हालांकि मौके पर मौजूद थाना अधिकारी यशवंत सिंह ने समझदारी दिखाते हुए कावड़ यात्रियों से समझाईश कर रवाना किया और अवरुद्ध यातायात को सुचारू करवाया।

- कांस्टेबल ने भाजपा पार्षद के जड़ा थप्पड़, मौके पर पहुंच भीड़ ने यातायात अवरुद्ध किया

उसके बाद पार्षद को थप्पड़ मारने का मामला क्षेत्र में आग की तरह फैल गया और भाजपा देहात अध्यक्ष भुणाराम गुर्जर, भाजपा नगर अध्यक्ष केदार शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि व स्थानीय सैकडों लोगों की भीड़ थाने के सामने जमा हो गई और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और दोषी सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज एवं माफी मांगने की मांग की। वहीं पीड़ित पार्षद दिनेश शर्मा उनके समर्थक पुलिस थाने पर पहुंचे, पार्षद ने मारपीट को लेकर पुलिस में मामला दर्ज करवाया है जिस पर पुलिस ने पार्षद की ओर से मारपीट का मामला दर्ज कर लिया साथ ही पुलिस के उच्च अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कांस्टेबल को एपीओ कर दिया है। लेकिन थाने पर प्रदर्शन कर रहे लोग पुलिस कर्मी को निलंबित करने एवं सबके सामने माफी मांगने पर अड़े रहे और पुलिस की सरेआम दादागिरी का विरोध करते हुए जबरदस्त नारेबाज़ी के साथ धरना प्रदर्शन करने लगे। उसके बाद पीड़ित पार्षद दिनेश शर्मा ने बताया कि दोषी पुलिसकर्मी को लाइन हाजिर कर दिया गया है और उसने सार्वजनिक माफी मांगने के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया है मामले को लेकर थाना अधिकारी यशवंत सिंह यादव ने बताया कि कावड यात्रा के दौरान पार्षद के साथ मारपीट के मामले उच्च अधिकारियों को अवगत करा कांस्टेबल चालक कर्मवीर को लाइन हाजिर कर दिया है।

मनरेगा श्रमिकों ने पं.स.पर जड़ा ताला

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के बास-टोरडा ग्राम पंचायत के मनरेगा पुरुष व महिला श्रमिकों ने पंचायत समिति बौंली कार्यालय पर ताला जड़ने के बाद बौंली-लालसोट सड़क मार्ग पर धरना प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। बास टोरडा ग्राम पंचायत के श्रमिकों ने विकास अधिकारी पर कार्य बंद करा देने का आरोप लगाया व नारेबाजी की। सूचना पर पंचायत समिति प्रधान कृष्ण पोसवाल ने भी मौके पर पहुंच कर प्रदर्शनकारी श्रमिकों का सहयोग किया एवं प्रदर्शनकारियों के साथ सड़क मार्ग पर धरने पर बैठ गए। सूचना पर बौंली उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण मीणा एवं पंचायत समिति विकास अधिकारी योगेश मीणा मौके पर पहुंचे एवं श्रमिकों को पुन: मस्टरोल जारी कर कार्य शुरू करवाने का आश्वासन दिया।

कोर्ट के आदेशों की उड़ रही है सरेआम धज्जियां

शिमला, (निसं)। दूधवा और बसई नदी में जहां प्रशासन की मिलीभगत से दिन रात अंधाधुंध बजरी का अवैध खनन चल रहा है। कोर्ट की रोक के बावजूद भी दूधवा और बसई नदी में हो रहे अवैध खनन की बजरी लेकर सैकंडों ट्रेक्टर दिनरात सड़क पर सरपट दौड़ रहे हैं। यहीं नहीं ट्रेक्टर ट्रॉली व डंपर पचेरी, मेहाडा, बुहाना, सिंघाना थानों के सामने से रोज बजरी भरकर निकलते हैं। पर किसी की भी नजर इन पर नहीं पडती। प्रशासन की आंखों के सामने खनन होने के बाद प्रशासन मौन है। ये सारा काम माइनिंग व प्रसाशन की मिलीभगत से हो रहा हैं। ठाामीणों का कहना है कि अवैध खनन की एवज में लाखों की मंथली जा रही हैं। अवैध खनन में प्रयुक्त ओवरलोड डंपर व ट्रेक्टरों से पूरी सडक टूट गई हैं। दूधवा व बसई नदी में अवैध खनन से सैकड़ों फुट गहरे गड्ढे हो गए हैं। क्षेत्र का जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा हैं। पानी का स्तर 1500 फ़ीट से निचे चला गया है। यदि अवैध खनन इसी तरह चलता रहा तो वो दिन दूर नहीं जब पानी के लाले पड जाएंगे।

डीलर के लाइसेंस निरस्त करने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूरजगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत घंडावा के राशन डीलर के प्राधिकार पत्र (लाइसेंस) के निरस्तीकरण आदेश पर रोक लगाते हुए जिला कलेक्टर झुंझुनूं व रसद अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। प्रार्थी की याचिका में बताया गया कि प्रार्थी वर्ष 2005 से सरकार द्वारा नियमानुसार जारी प्राधिकार पत्र के तहत बिना किसी शिकायत के दुकान को संचालित करता आ रहा है किंतु कोविड काल के दौरान गांव के सरपंच ने राजनैतिक कारणों व अपने निजी हित साधने के उद्देश्य से कुछ ग्रामीणों से झूठी शिकायतें जिला रसद अधिकारी को भेजी। प्रार्थी ने रसद अधिकारी द्वारा भेजे नोटिस 28 दिसंबर 2021 का जवाब देकर आरोप झूठे बताए। बहस में एडवोकेट ने कहा कि मामले में उचित विधि अनुसार कार्यवाही ना होकर पहले उसके लाइसेंस का निलंबन किया गया। फिर कलेक्टर ने प्रार्थी द्वारा दायर अपील को 30 मई 2022 को खारिज कर दी। तत्पश्चात जिला रसद अधिकारी झुंझुनूं ने 7 जून के आदेश से प्रवर्तन निरीक्षक की जांच रिपोर्ट को आधार मानकर लाइसेंस निरस्त कर दिया।

जेईई मैन 2022-कम अंक वाले छात्रों को जल्द मिलेगें परीक्षा केन्द्र

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जिसका दूसरा अटेम्प्ट 21 से 30 जुलाई के मध्य प्रस्तावित है। इस परीक्षा के प्रवेश पत्र जल्द जारी कर दिए जाएंगे। यह भी संभावित है कि परीक्षा शहरों की घोषणा एक-दो दिन में कर दी जाए। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जून के परिणाम घोषित होने के साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी जून परिणामों को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं।

इसके साथ ही जेईई-मेन की पर्सेन्टाइल एवं रैंक के आधार पर मिलने वाले कॉलेजों ने आवेदन प्रक्रियाएं भी प्रारंभ कर दी है, हालांकि देश के विख्यात बड़े इंजीनियरिंग संस्थानों ने अपनी परीक्षाएं करवाकर काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। परन्तु ऐसे विद्यार्थी जिनका जेईई-मेन पर्सेन्टाइल जून अटेम्प्ट का अपेक्षा से कम रहा है, उन विद्यार्थियों के लिए जेईई-मेन के आधार पर ही आईआईटी एनआईआ के अतिरिक्त कई संस्थानों में आवेदन करने का मौका उपलब्ध है। विद्यार्थी जेईई-मेन की रैंक एवं पर्सेन्टाइल के आधार पर ट्रिपलआईटी बैंगलुरू, धीरूभाई अंबानी व निरमा अहमदाबाद, जेपी नोएडा, थापर पटियाला, एआईटी पुणे, डीटीयू, एनएसयूटी, ट्रिपलआईटी दिल्ली, ट्रिपलआईटी हैदराबाद, एलएनएमआईटी जयपुर आदि संस्थानों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आहूजा ने बताया कि इनमें से अधिकतर संस्थानों की आवेदन प्रक्रिया अगस्त माह तक है एवं कुछ संस्थान जेईई-मेन के परिणाम के उपरान्त अपनी आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ करेंगे। इनमें से बहुत से संस्थानों में जेईई-मेन की काफी पीछे की रैंक, एवं पर्सेन्टाइल पर प्रवेश मिल जाता है। अत: विद्यार्थी कम पर्सेन्टाइल पर निराश ना हो और उपरोक्त संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना नहीं भूलें।

मोदी व गहलोत का पुतला फूंका

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा एवं भारत की जनवादी नौजवान सभा ने अपनी मागों को लेकर एसडीएम कार्यालय को ठप रखकर धरना स्थल पर मोदी और गहलोत के पुतलों का दहन कर प्रशासन तथा सरकार के खिलाफ जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए। कॉमरेड सुनिल पूनियां नें कहा कि जब तक प्रशासन द्वारा क्रॉप कटिंग रिपोर्ट नहीं दी जायेगी, तब तक एसडीएम कार्यालय राजगढ को ठप रखा जाएगा, क्योंकि प्रशासन द्वारा क्रॉप कटिंग रिपोर्ट 11 जुलाई को देने की बात कही थी, जबकि हर बार कलेक्टर और एसडीएम साहब ने केवल और केवल आश्वासन ही दिया है। उन्होंने बताया कि क्रॉप कटिंग नहीं मिलने के विरोध में 16 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र के गाँव हमीरवास, बैरासर बड्डा, डोकवा, ददरेवा, लसेडी, सिद्धमुख आदि मेंचक्काजाम किया जायेगा तथा एसडीएम कार्यालय भी ठप रहेगा।

जवाई बांध में 13.70 फिट पानी की आवक होने के बाद पाली शहर को मिलेगा पानी

प्रशासन ने जोधपुर से आ रही वाटर ट्रेन को आज से बंद करने का निर्णय लिया

अरावली के पहाड़ियों में वर्षा होने से जवाई बांध में पानी आने का क्रम जारी।

पाली, (निसं)। पिछले सप्ताह भर से अरावली की पहाड़ियों में अच्छी बारिश के बाद जवाई की सहायक बेड़ा नदी में ज्यादा पानी आने के कारण शुक्रवार शाम पांच बजे तक जवाई बांध का जलस्तर13.70 पहुंचने के बाद जिलेवासियों वह जलदाय विभाग के चेहरे खिल गए हैं। अब प्रशासन ने जोधपुर से आ रही वाटर ट्रेन को शनिवार से बंद करने का निर्णय लिया है और जवाई बांध से पानी की सप्लाई पाली शहर में की जाएगी।

- सेइ बांध का जलस्तर 4.75 मीटर पहुंचा, शहर का हेमावास बांध अभी खाली

गौरतलब है कि जवाई बांध पूरी तरह खाली होने के बाद मार्च में वाटर ट्रेन से पानी मंगवाया जा रहा है। जिले के काफी बांधों में पानी की आवक शुरू हो गई है।

वहीं सेइ बांध का जलस्तर 4.75 मीटर पहुंचा, लेकिन पाली शहर के हेमावास बांध अभी खाली पड़ा है। खारड़ा, सरदार समंद बानिया वास आदि बांधों में पानी की अच्छी आवक हुई है।

पिण्डवाड़ा में मानसून की दस्तक, सवा चार इंच पानी बरसा, कादंबरी बांध में 6 फीट पानी आया

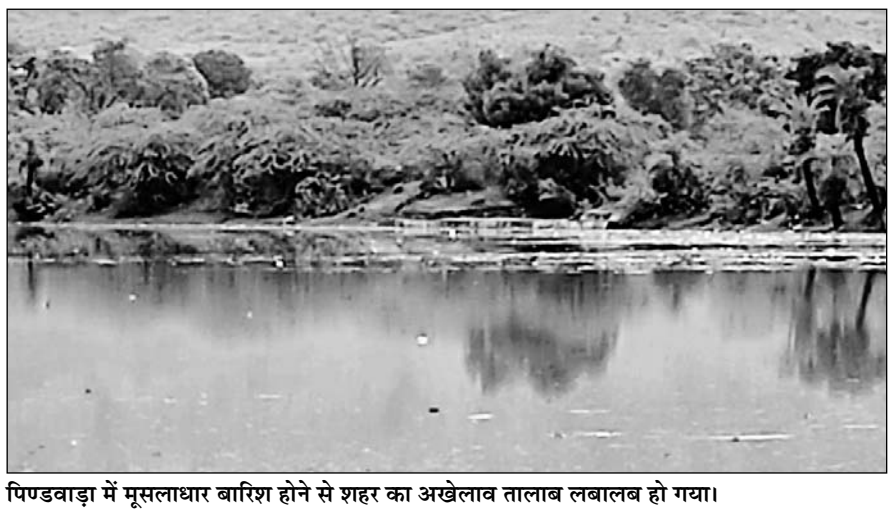

पिण्डवाड़ा में मूसलाधार बारिश होने से शहर का अखेलाव तालाब लबालब हो गया।

जालोर, (कासं)। जालोर में गुरूवार देर रात्रि व शुक्रवार को झमाझम बारिश से सड़कों पर पानी बहता नजर आया। वहीं बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया।

गुरूवार देर रात्रि मूसलाधार बारिश से शहर के तिलकद्वार, लाल पोल व बडी पोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। वहीं शुक्रवार को भी झमाझम बारिश का दौर जारी रहने पर सड़कों पर पानी भर गया। सिवाना नगर पालिका क्षकत्र में झमाझम बारिश का दौर शुक्रवार को भी जारी रहा। लगभग शाम 5.45 बजे आसमान से काली घटाएं झूमकर बरस पड़ी। ग्रामीणों ने जमकर बारिश का लुत्फ उठाया।

पिण्डवाड़ा में पिछले 24 घंटे में शहर सहित तहसील क्षेत्र के गांवों में मेघों सवा 4 इंच पानी बरसाया। जिले की सर्वाधिक 105 एमएम वर्षा मानसून विभाग ने दर्ज की। रात गुरुवार को झमाझम बारिश का दौर जारी रहने से शहर के हर इलाके में पानी भर गया। जुबली बांध 10 से 15 व कादंबरी बांध में 6 फीट पानी की आवक हुई। वहीं शहर के प्राचीन अखेलाव तालाब भी पूरी रात बरसे पानी से लबालब हो गया है जो किसी भी समय तालाब ओवरफ्लो हो सकता है। शहर के तालाब में पानी आने से आसपास के किसानों के कुएं में पानी का जल स्तर बढ़ गया है।

वाचनालय से विद्यार्थियों में व्यक्तित्व, कृतित्व का विकास : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर (निसं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के संघटक श्रमजीवी सायंकालीन महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को विदाई समारोह महाविद्यालय के सभागार में हुआ।

विदाई समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि वाचनालय किसी भी महाविद्यालय का हृद्धय स्थल होती है, इसके द्वारा विद्यार्थी में व्यक्तित्व, कृतित्व के साथ साथ, सामाजिक, आत्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृति चेतना का विकास भी होता है। विद्यार्थी कितना भी तनाव में हो वह वहॉ जाकर शांत हो जाता है और अपने मन उत्पन जिज्ञासा को शांत कर लेता है। जिस विद्यार्थियों को मोन रहने का अभ्यास नहीं है उसे लाईब्रेरी में जाना चाहिए। वहॉ का वातावरण देखकर विद्यार्थी में अपने आप इसका अभ्यास हो जायेगा। जब व्यक्ति मौन धारण करता है तो उसमें अनेकानेक विचार आते है, उस वक्त वह सोचता है कि वास्तव में उसे क्या करना चाहिए।

उदयपुर में जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि संगठक श्रमजीवी सायंकालीन महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित हुआ।

वाचनालय की हर पुस्तक हमें किसी न किसी प्रकार का ज्ञान आवश्य ही देती है इसलिए विद्यार्थी को समय निकाल कर नियमित वाचनालय अवश्य ही जाये और अपने ज्ञान को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अपडेट रखे। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रभारी डॉ. एसबी नागर ने

■ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

महाविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए समारोह की जानकारी दी। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर किया।

संचालन डॉ. बी.एल. बेरबा ने किया जबकि आभार डॉ. धमेन्द्र राजौरा ने दिया। समारोह में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत को एक्सीलेंस अवार्ड मिलने पर महाविद्यालय कार्यकर्ताओं की ओर से उपरणा, माला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में डॉ. विनस व्यास, बलिराम यादव, कीर्ति दशोरा, हितेष गंधर्व, शिवांगी, इन्द्रलाल लौहार, भावना देवी, बसंत बाई, ममता शर्मा, इंदू वर्मा, नीलू वर्मा सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

31 मामलों का निस्तारण किया

उदयपुर, (निसं)। राज्य उपभोक्ता आयोग जयपुर की सर्किट बैंच उदयपुर द्वारा 11 से 15 जुलाई तक उदयपुर संभाग के विभिन्न जिलों के उपभोक्ता प्रकरणों की सुनवाई की गई। इस दौरान राज्य आयोग के सदस्य सुरेन्द्र कुमार जैन व शैलेन्द्र भट्ट की बैंच द्वारा बीमा, स्वास्थ्य, शॉपिंग मॉल, विद्युत निगम, यूआईटी, नगर निगम सहित कई विभागों से जुडे एवं अन्य मामलों पर सुनवाई की गई। इस सुनवाई में करीब 140 मामले प्राप्त हुआ जिनमें से 40 मामलों का निस्तारण कर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की गई। आयोग द्वारा निस्तारित एक प्रकरण में फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को वल्लभनगर वाजमिया गांव निवासीउ प्रार्थिया श्रीमती बंटी कंवर पत्नी स्वर्गीय मूलसिंह को करीब 5 लाख रुपये की राशि मय ब्याज के अदा करने के निर्देश दिए है। निर्णय के अनुसार वाहन मालिक स्वर्गीय मूलसिंह ने ऑनर कम ड्राइवर का बीमा व वाहन का बीमा संयुक्त रूप से करवाया था। सडक दुर्घटना में मूलसिंह की मृत्यु होने के बाद लाइसेंस व अन्य दस्तावेज संबंधि आपत्ति लगाकर बीमा कंपनी द्वारा क्लेम खारिज किया था। आयोग ने अपने निर्णय में बीमा कंपनी को आदेश दिया कि मृतक की पत्नी बंटी कंवर को व्यक्तिगत बीमा के दो लाख व सम्पूर्ण वाहन क्षति के 2 लाख 5 हजार रुपये, सन 2014 से मय ब्याज अदा करना सुनिश्चित करें।

सार-समाचार

मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान बाइक सवार दो बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से मादक पदार्थ एमडीएमए जब्त किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी लीलाराम के नेतृत्व में हेडकांस्टेबल शरीफ खान, तेजसिंह, ओमवीरसिंह, कांस्टेबल प्रवीणसिंह, सुमेरसिंह, प्रमोद कुमार मय टीम ने शुक्रवार को नाकाबंदी के दौरान किशनपोल क्षैत्र में बाइक सवार नई आबादी कजोड़पुरा सावा शंभुपुरा जिला चित्तोड़गढ़ निवासी अशरफ मंसूरी पुत्र मोहम्मद हारून तथा शोयब शेख पुत्र साजिद शेख को रोक तलाशी ली तो इनके कब्जे में अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पाया गया। जिसका वजन करने पर 45.50 ग्राम पाया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया। बरामद मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब दो लाख रूपये बताई जाती है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपीयों ने मादक पदार्थ शहर में बेचने के लिए लेकर आने की जानकारी दी है।

एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

उदयपुर, (निसं)। झल्लारा कस्बे के ईटाली गांव में स्थित एसबीआई एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश। झल्लारा थाना क्षैत्र इण्टाली खेड़ा गांव में स्थित एटीएम को गुरूवार देर रात में अज्ञात बदमाश उखाड़ ले गए। रात में अंधेरा होने से बदमाश वारदात कर फरार हो गए। शुक्रवार सवेरे ड्यूटी पर पहुंचे चौकीदार ने एटीएम नहीं होने की सूचना पुलिस को देने पर झल्लारा थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को वारदात होने की जानकारी दी। इस पर पुलिस उप अधीक्षक सलूम्बर सुधापालावत ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण कर मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर टीमें गठित कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक अनुसंधान में रात के अधेरे में बदमाश द्वारा एटीएम उखाड़ कर गाड़ी में डाल कर ले जाने की जानकारी सामने आई है। एटीएम में कितने रूपये है इस संबंध में पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने एटीएम रखरखाव करने वाली कंपनी के अधिकारी भरत चौबीसा की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अधेड़ ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के रानीरोड़ क्षैत्र में अधेड़ ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय रानी रोड पर अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ पर लटका होने की सूचना मिलने पर अम्बामाता थानाधिकारी सुनिल टेलर, एसआई नाथूसिंह मय टीम ने मौके पर पहुंच कर मृतक को निचे उतार कर उसकी शिनाख्त हवाला निवासी खेमराज (42) पुत्र मोतीलाल भील के रूप में शिनाख्त कर परिजनों को सूचना कर शव को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया।

संतश्री लोकेशानंद उदयपुर पहुंचे

उदयपुर (निसं)। श्री नारायण भक्ति पंत गुरुमुखी पंथ है, जब गुरु बिना ज्ञान नहीं मिलता उस स्थिति में संसार के चलने की बात ही नहीं हो सकती। माँ ही विश्व की प्रथम गुरु होती है, माँ बच्चे को प्रारंभ से ही अन्न, जल ग्रहण करने सहित जीवन जीने की कला बताती है, परंतु सांसारिक जीवन में सदगुरु की शरणागति से ही सत्य का बोध होता है। उन्हीं का सानिध्य पाकर प्रभु के अपने पास होने की अनुभूति होती है। यह प्रवचन संतश्री लोकेशानंद महाराज ने शुक्रवार को आईटीपी भवन में आयोजित गुरु पूजन कार्यक्रम में भक्तों से कहें। शुक्रवार को संत लोकेशानंद महाराज उदयपुर पधारें।

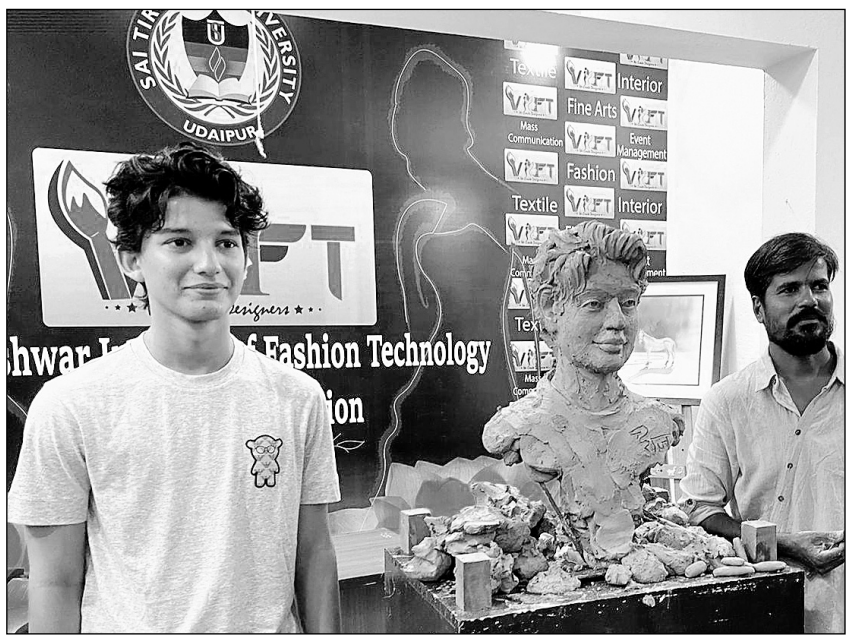

उदयपुर में वैंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी व मास कम्युनिकेशन में शुक्रवार को रज शिल्पांकन पर कार्यशाला का वृहद स्तर पर आयोजन किया गया। स्क्लपचर आर्टिस्ट हंसराज चित्रभूमि, डॉ. निर्मल यादव और कई ख्यातनाम कलाकारों ने कार्यशाला में अपनी अविस्मरणीय कला का प्रदर्शन कर छात्रों को मार्गदर्शन दिया जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी दी। संस्थान निदेशक डॉ. रिमझिम गुप्ता ने बताया कि यह सिर्फ एक कार्यशाला ही नहीं बल्कि कई ख्यातनाम कलाकारों का महासंगम था। इस दौरान छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने कलाकारों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम

उदयपुर (निसं)। पेसिफिक विश्वविद्यालय के पेसिफिक स्कूल ऑफ लॉ में नवीन शैक्षणिक सत्र 2022-23 का शुभारंभ 18 जुलाई से ओरिएंटेशन प्रोग्राम के साथ होगा। त्रिदिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम के अंतर्गत पेसिफिक स्कूल ऑफ लॉ के पूर्व विद्यार्थी अपने शैक्षणिक अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के पहले दिन 18 जुलाई को आकाश विश्नोई, 19 जुलाई को हर्षवर्धन सिंह शक्तावत सहित अन्य रहेंगे।

भाजपा राणा प्रताप मंडल की बैठक

उदयपुर, (निसं)। भाजपा राणा प्रताप मंडल की कार्यसमिति बैठक से. 3 सूर्या नगर सामुदायिक भवन में हुई। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली, राष्ट्रीय प्रतिनिधि एवं मंडल प्रभारी ताराचंद जैन, जिला महामंत्री गजपाल सिंह राठौड, जिला मंत्री करण सिंह शक्तावत एवं सुशील जैन ने दीप प्रज्वलित कर सभा का आगाज किया। मंडल अध्यक्ष जितेंद्र मारू ने सभी का स्वागत कर विगत माहो में मंडल कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान कर भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की।

उदयपुर में कलेक्टर ने प्रिकॉशन डोज लगवाकर शुरूआत की

उदयपुर, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सरकार ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो को कोविड वैक्सीन की फ्री प्रिकॉशन डोज का तोहफा दिया है। इसके तहत 15 जुलाई से आगामी 75 दिन तक सरकारी कोविड वैक्सिनेशन केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को अब टीके की तीसरी डोज यानी प्रिकॉशन डोज मुफ्त लगाई जाएगी। उदयपुर जिला मुख्यालय पर कोविड वैक्सीन के इस अमृत महोत्सव की शुरुआत उदयपुर में पीएचसी भूपालपुरा पर जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने खुद प्रिकॉशन डोज लगवाकर की। इस मौके पर सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराडी, आरसीएचओ डॉ.अशोक आदित्य, डब्ल्यूएचओ से डॉ अक्षय व्यास, यूएनडीपी से मुदित माथुर सहित अस्पताल स्टाफ व काफी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

कलेक्टर मीणा ने कहा कि राज्य सरकार हमेशा से ही आमजन के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रही है। कोविड वैक्सिनेशन को बढावा देने के लिए पहले जहां 18 से अधिक उम्र के लोगों को प्रिकॉशन डोज के लिए पैसे चुकाने पडते थे वहीं अब इसे आगामी 75 दिन के लिए फ्री किया गया है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि पात्र लाभार्थी सरकार द्वारा चलाए इस विशेष अभियान का लाभ उठाए एवं परिवार व समाज को सुरक्षित रखने में सहयोग करें। सीएमएचओ डॉ.दिनेश खराडी ने बताया कि 15 जुलाई से शुरू हुआ यह विशेष अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। इन 75 दिनों में जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर कोविड वैक्सीन की निशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाई जाएगी। इसके साथ ही शहरी क्षेत्र में भी सभी अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित आरएनटी मेडिकल कॉलेज में चल रहे वैक्सिनेशन सेंटर पर भी ये सुविधा उपलब्ध रहेगी। डॉ खराडी ने बताया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे लाभार्थी जिनको वैक्सीन की दूसरी डोज लगवाए 6 माह या 26 सप्ताह से अधिक समय हो गया है वो फ्री प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र होंगे।

नाम परिवर्तन

मेरा पुत्र ध्रुव टेलर पिता राकेश कुमार टेलर है, जो महावीर विधा मन्दिर माध्यमिक विधालय गणेशघाटी, उदयपुर का छात्र है। मेरा पुत्र नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक अध्ययनरत दौरान मेरे पुत्र का नाम मार्कशीट व शेक्षणिक दस्तावेज में ध्रुव कानेरिया हो गया है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम ध्रुव टेलर है उक्त सही नाम आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज में अंकित है। आगे भविष्य में मेरे पुत्र को ध्रुव टेलर के नाम से ही जाने व पहचाने जावे।

- राकेश कुमार टेलर पिता श्री मांगीलाल टेलर
निवासी: 40 बापनो की सेहरी, नीम का चौक, उदयपुर (राज.)

प्रशासन शहरों के संग अभियान में 25 पट्टे बांटे

उदयपुर में प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत पट्टे मिलने की खुशी में लाभार्थियों ने कलेक्टर को पेड़े खिलाये।

उदयपुर, (निसं)। शहरवासियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर राहत देने की मंशा से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर शुक्रवार से उदयपुर में शुरू हुए 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान की मंशा शुरूआत से ही सार्थक हो रही है। इसका ताजा उदाहरण शुक्रवार को उदयपुर में शुरू हुए अभियान के पहले ही शिविर में दिखा जहां पर नगर निगम उदयपुर द्वारा समीपस्थ बेदला खुर्द के 25 आवेदकों को एक साथ पट्टे वितरित किए।

वर्ष 2001 से अपने पट्टे की राह देख रहे बेदला खुद के इन निवासियों को नगर निगम उदयपुर द्वारा पिछले दो माहों में आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण कर त्वरित कार्यवाही कर अभियान के तहत आयोजित शिविर में पट्टे देकर राहत दी तो सभी ने इस खुशी में मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को पेढे खिलाते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान बेदला खुर्द के लाभार्थी भंवरलाल नागदा, ओमप्रकाश खटीक, सुरेश खटीक ने शिविर में मौजूद जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, अभियान के पर्यवेक्षक आरपी शर्मा, महापौर जीएस टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी सहित नगर निगम के अधिकारियों को पेढे खिलाएं और मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशों पर इन शिविरों में उनको मिली राहत के लिए आभार व्यक्त किया।

लाभार्थी भंवरलाल नागदा, ओमप्रकाश खटीक, सुरेश खटीक ने बताया कि वे पट्टों के लिए वर्ष 2001 से संघर्ष कर रहे थे। सुखदेवी नगर आवास संघर्ष समिति के गठन व वर्ष 2016 में इस संबंध में माननीय न्यायालय की शरण के बाद 2019 में न्यायालय के फैसले के बाद भी उनका इंतजार जारी रहा। पिछले दो माह पूर्व ही उन्होंने एक बार पुन: नगर निगम को आवेदन किया तो जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा के निर्देशों पर आयुक्त हिम्मतसिंह बारहठ ने त्वरित कार्यवाही कर पट्टे देने की तमाम औपचारिकताओं को त्वरित गति से संपादित करवाया। प्रशासन शहरों के संग अभियान में बेदला खुर्द गांव के कुल 25 लोगों को आज शिविर में पट्टों की सौगात मिली है तो यह सभी लाभार्थियों के परिवार के लिए खुशी की बात है। बच्चों के सुरक्षित भविष्य को देखते हुए भी इन पट्टों की बडी उपयोगिता है। उन्होंने इन शिविरों के माध्यम से इस यादगार सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का भी आभार व्यक्त किया है।

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका, नाथद्वारा

सं./न.पा.नाथ/90क/22/13870 **लोक-सूचना** दिनांक:15.7.2022

श्री धन्ना गमेती पिता श्री खेमा गमेती निवासी नाथद्वारा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अधिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	बागोल	1879,2285/1884, 2146/1879	00-05-00 बिघा में से 756.25 वर्गगज

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अधिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अधिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक ..... को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगरपालिका, नाथद्वारा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर-313001 (राजस्थान), फोन: 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673 ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com

अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "**जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है**" के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा**, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खाते की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

ऋणियों/जमानतदारों के नाम एवं पते- श्री भंवर सिंह चौहान पुत्र श्री सनवत सिंह चौहान, श्रीमती अंतर कंवर चौहान पत्नी श्री भंवर सिंह चौहान एवं श्री गजेन्द्र सिंह चौहान पुत्र श्री भंवर सिंह चौहान **पता:** मकान प्लॉट नं. 51, 52, 53, 53ए, 55 एवं 56, महाराणा प्रताप कॉलोनी, सेक्टर 13, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान **एवं जमानतदार**-श्री राजवीर शेखावत पुत्र श्री बच्चन सिंह शेखावत एवं श्रीमती नेहा चौहान पुत्री श्री भंवर सिंह चौहान **पता:** 10 जीवन तारा, गोवर्धन विलास, उदयपुर, राजस्थान-313001

कुल बकाया राशि-रूपये 4,58,76,020.30 दिनांक 16.07.2020 को बकाया (दिनांक 16.07.2020 तक का ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।

वर्तमान बकाया राशि-रूपये 5,55,10,468.06 दिनांक 30.05.2022 को बकाया एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।

कब्जे की स्थिति (प्रतीकात्मक/वास्तविक)- वास्तविक

संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय- 28.07.2022, सुबह 11:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक

ई-नीलामी की दिनांक व समय- 02.08.2022, दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक (प्रत्येक 10 मिनट की असीमित समयावृद्धि के साथ)

ज्ञात संपत्तियों के साथ अचल संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि
श्रीमती अंतर कंवर चौहान पत्नी श्री भंवर सिंह चौहान के नाम साम्यिक बंधक आवासीय मकान जो प्लॉट नं. 51, 52, 53, 53 ए, 55 एवं 56, महाराणा प्रताप कॉलोनी, सेक्टर 13, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 7921 वर्ग फीट है। **सीमाएं (प्लॉट नं. 51)**-उत्तर: खसरा नं. 410, दक्षिण: प्लॉट नं. 52, पूर्व: प्लॉट नं. 54, पश्चिम: रोड़ 30' चौड़ी, **सीमाएं (प्लॉट नं. 52)**-उत्तर: प्लॉट नं. 51, दक्षिण: प्लॉट नं. 53, 53ए, पूर्व: प्लॉट नं. 54, 55, पश्चिम: रोड़ 30' चौड़ी, **सीमाएं (प्लॉट नं. 53)**-उत्तर: प्लॉट नं. 52, दक्षिण: रोड़ 30' चौड़ी, पूर्व: प्लोट नं. 53-ए, पश्चिम: रोड़ 30' चौड़ी, **सीमाएं (प्लॉट नं. 53 ए)**-उत्तर: प्लॉट नं. 52, दक्षिण: रोड़ 30' चौड़ी, पूर्व: प्लोट नं. 55, 56, पश्चिम: प्लॉट नं. 53 एवं **सीमाएं (प्लॉट नं. 55 एवं 56)**-उत्तर: प्लॉट नं. 54, दक्षिण: रोड़ 30' चौड़ी, पूर्व: रोड़ 30' चौड़ी, पश्चिम: प्लॉट नं. 52 एवं 53 **अन्य ऋण भार:-ज्ञात नहीं**	**आरक्षित मूल्य**- रूपये 3,21,30,000/- (रूपये तीन करोड़ इक्कीस लाख तीस हजार मात्र) **धरोहर राशि**- रूपये 32,13,000/- (रूपये बत्तीस लाख तेरह हजार मात्र) **बोली वृद्धि राशि**- रूपये 50,000/- (रूपये पचास हजार मात्र)
श्री भंवर सिंह चौहान पुत्र श्री सनवत सिंह चौहान के नाम साम्यिक बंधक आवासीय भूमि जो प्लॉट नं. 48, महाराणा प्रताप कॉलोनी, सेक्टर 13, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1917.50 वर्ग फीट है। **सीमाएं**-उत्तर: खसरा नं. 410, दक्षिण: प्लॉट नं. 49, पूर्व: रोड़ 30' चौड़ी, पश्चिम: प्लॉट नं. 46 **अन्य ऋण भार:-ज्ञात नहीं**	**आरक्षित मूल्य**- रूपये 54,36,000/- (रूपये चौवन लाख छत्तीस हजार मात्र) **धरोहर राशि**- रूपये 5,43,600/- (रूपये पाँच लाख तियालीस हजार छ: सौ मात्र) **बोली वृद्धि राशि**- रूपये 20,000/- (रूपये बीस हजार मात्र)

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं https://ibapi.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से **दूरभाष नं.-0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673, मोबाईल नं. 8875006669** पर संपर्क कर सकते है।

दिनांक: 13.07.2022
स्थान: उदयपुर

हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिये

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी सचिव नगर विकास न्यास चितौड़गढ (राज.)

क्रमांक/लोसू/योजना/भूमि/48/2022/351-54 दिनांक 14.07.2022

:: लोक सूचना ::

एतदद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित आवेदकों द्वारा बरूए राजस्व विभाग की जमाबन्दी के अनुसार स्वयं के स्वामित्व, खातेदारी, अधिपत्य की कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति के अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

खातेदार/आवेदक का नाम व पता	ग्राम	आ.न.	क्षेत्रफल	प्रयोजन
सुख समृद्धि कोलोनाईजर्स प्रा.लि. जरिये डाईरेक्टरअभय कुमार शर्मा पिता शिवलाल शर्मा आनन्द फर्टिलाईजर्स प्रा.लि. जरिये डायरेक्टर अभय कुमार शर्मा एवं अभय कुमार पिता शिवलाल शर्मा निवासी 165 शास्त्री नगर चित्तौड़गढ (राज.)	चितौडगढ	352 353 354	0.1300 0.0750 0.0600	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्थान, को राजस्थान भूराजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने एवं अभिधृति अधिकारों के निर्वापन करने पर कोई आक्षेप हो तो इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर भीतर किसी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी व्यक्ति/संस्था को आक्षेप नहीं है, ओर तदनुसार आक्षेप का निपटारा किया जावेगा यह सूचना पत्र आज दिनांक 14/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुहर से जारी किया गया।

प्राधिकृत अधिकारी
सचिव
नगर विकास न्यास चितौड़गढ (राज.)

कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11()Regin-I/2022/4881 Date: 15.07.22

प्रशासन शहरों के संग अभियान- 2021-22

आम-सूचना

राजस्व ग्राम बडगांव (न्यू कृष्णा कॉलोनी) आराजी संख्या 663 से 667 की राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क (8) के तहत पुनर्ग्रहण आदेश दिनांक 20.05.2022 को जारी होकर आवासीय प्रयोजनार्थ प्लान अनुमोदित हैं। जिनके पट्टे अभियान में दिये जाने प्रस्तावित है। वर्णित कॉलोनी के नियमन हेतु कॉलोनीवासीयों द्वारा आपसी बटवारनामा प्रस्तुत किया है, जो निम्नानुसार है :-

क्र.स.	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफीट)	आवेदक का नाम/पिता का नाम
1.	01	1800.00	श्री सोहनलाल लौहार पिता श्री नारायण लौहार
2.	01A	980.00	श्रीमती उमा श्रीमाली पत्नी श्री विजय श्रीमाली
3.	02	1800.00	श्री रमेशचन्द्र लौहार पिता श्री भंवरलाल लौहार
4.	03	1800.00	श्री गणेश लाल लौहार पिता श्री खेमराम लौहार
5.	04	1800.00	श्री मांगीलाल कुम्हार पिता श्री धुलचंद कुम्हार
6.	05	1575.00	श्री नरेश सांखला, श्री प्रमिला खीची पत्नी श्री नरेश सांखला
7.	06	1270.00	श्री प्रफुल्ल चन्द्र भटनागर पिता श्री भूपाल सिंह
8.	07	2612.00	श्रीमती सरिता भटनागर पत्नी श्री प्रफुल्ल चन्द्र भटनागर, श्री प्रफुल्ल चन्द्र भटनागर पिता श्री भूपाल सिंह
9.	08	1710.00	श्री नीरज श्रीमाली पिता श्री रूपशंकर श्रीमाली
10.	09	1350.00	श्री दिनेश श्रीमाली पिता श्री रोडीलाल श्रीमाली
11.	10	1575.00	श्री दिनेश श्रीमाली पिता श्री ओंकारेश्वर श्रीमाली, श्रीमती गिरजा पत्नी श्री दिनेश श्रीमाली
12.	11	1375.00	श्रीमती करूणा पत्नी श्री सुनिल श्रीमाली
13.	12	1350.00	श्री चेतन दास बेरागी पिता श्री लहरदास बेरागी
14.	13	1375.00	श्रीमती नीरू श्रीमाली पत्नी श्री नरेन्द्र श्रीमाली
15.	14	2109.00	श्रीमती दुर्गा उर्फ दीपा पत्नी श्री कैलाश व्यास
16.	15	2071.00	श्री ललित कुमार आमेटा पिता श्री भागीरथ जी आमेटा
17.	16	3048.00	श्री महेन्द्र सिंह कुम्भावत पिता श्री हमेर सिंह कुम्भावत
18.	17A	2318.00	श्री दिनेशचन्द्र शर्मा पिता श्री शंकरलाल शर्मा
19.	17	2194.00	श्री शंकरलाल नागदा पिता श्री नवलराम नागदा

उपरोक्त बटवारनामा एवं इसके पश्चात् के क्रेताओं के नाम भूखण्डों/मकानें के पट्टे दिये जाने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो 7 दिवस में प्रस्तुत करें।

(कृष्णपाल सिंह चौहान)
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

दिनदहाड़े पैट्रोल पंप पर हुई फायरिंग की घटना से शहर में दहशत फैली

बून्दी (निसं)। शहर के बाईपास रोड पर शुक्रवार सुबह दिनदहाड़े हुई फायरिंग से शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को डिटेन कर लिया है। वहीं दो कारों को भी जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाईपास रोड स्थित लक्ष्मीचंद रेवतीलाल पैट्रोल पम्प पर हिण्डोली की ओर से एक लाल रंग की होण्डा सिटी कार आर जे14 सी एच 2445 पेट्रोल भरवाने आई। इसी दौरान बून्दी की ओर से आई एक सफेद रंग की स्कार्पियों कार नं.आर जे 08 यू बी 3888 आकर रुकी। उसमें से दो युवक नीचे उतरे और होण्डा सिटी कार पर दो से तीन ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

बूंदी पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों को गिरफ्त में लिया।

अचानक हुए फायर से घबराकर होण्डा सिटी चालक कार को कोटा बाईपास की ओर भगा ले गया। जिसका स्कार्पियों गाड़ी सवार युवकों ने पीछा भी किया। फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीएसटी टीम, सिटी कोतवाली एवं सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चारों तरफ नाकाबंदी करवाई तथा आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने पैट्रोल पम्प पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की शिनाख्त की। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान दोनों कारों को जब्त कर लिया। पुलिस ने

- स्कॉर्पियो सवार दो लोगों ने लाल रंग की कार सवार पर ताबड़तोड़ फायर किये

स्कॉर्पियो में सवार तीन युवकों को भी डिटेन किया है। जबकि होडा सिटी कार सवार कार छोड़कर जान बचाते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। दूसरी ओर इस घटना को प्रोपर्टी को लेकर पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। मामले में होंडा सिटी कार सवार युवक राहुल खंगार ने कोतवाली में पहुंच कर रिपोर्ट सौंपी है। मामले की जांच स्वयं कोतवाली थानाधिकारी सहदेव मीणा कर रहे हैं।

प्रोपर्टी डीलर रामदेव नेखाड़ी उर्फ देवीलाल तथा शार्प शूटर द्वारा ठेकेदार मनोज बैरवा के भाई मोनू बैरवा एवं अन्य कार सवार उसके साथियों पर फायरिंग करने की बात सामने आ रही है। पुलिस अधीक्षक जय यादव पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

सीआई सहदेव सिंह ने बताया कि मामले में राहुल खंगार की ओर से रिपोर्ट दी गई है। मामले में पूछताछ जारी है। मोनू ठेकेदार व रामदेव नेखाड़ी के बीच प्रोपर्टी का विवाद चल रहा है। जिसको लेकर पूर्व में भी नेखाडी के ऊपर हमले की साजिश करते 4 लोगों को गिरफ्तार किया था जिनका संबंध मनोज बैरवा से बताया जाता है उसी का बदला लेने के लिए नेखाड़ी द्वारा दो शार्प शूटर धीरज व प्रदीप को हरियाणा से हायर किया था। इसी के चलते आज इस फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाईकरते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से शहर के लोगों ने राहत की सांस ली है।

चोरी का माल खरीदने वाले सुनार सहित दो गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी, (निसं)। चोरी का माल खरीदने वाले हिण्डौन के एक सुनार के साथ बालघाट थाना पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक टोडाभीम का भी सुनार भी शामिल है। इन दोनों सुनारों ने मिलकर मोहनपुरा गांव में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए बाबरिया गिरोह के आरोपितों से चोरी का माल खरीदा था। बालघाट थाने की पुलिस इन दोनों सुनारों से सख्ती से पूछताछ कर रही है।

बालघाट के थानाप्रभारी धर्मसिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस, एएसपी कृष्ण चंद्र यादव और डीएसपी फूलचंद के निर्देशानुसार बालघाट थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत बालघाट थाने की पुलिस ने गत 3 जुलाई को मोहनपुर के 4 घरों में एक ही रात को हुई चोरी की घटना के मामले को गंभीरता से लेते हुए बावरिया गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें पाडला डेरा, जोधपुर करीरी निवासी धारा उर्फ केरया पुत्र गोकुल बरगी, बदले उर्फ राजू पुत्र

- बालघाट थाना पुलिस दोनों सुनारों से सख्ती से पूछताछ कर रही है

गोकुल बरगी और नथोले का पुरा सूरौठ के मानसिंह उर्फ दलया पुत्र सीताराम बरगी तथा मोरगड़ी खेरागढ़ के राजपाल पुत्र पूरन बरगी को गिरफ्तार किया था। इन बावरिया गिरोह के चारों आरोपितों से सख्ती से पूछताछ की गई तो सामने आया कि चोरों ने चोरी का माल हिण्डौन के सुनार झारेडा रोड की मधुबन कॉलोनी निवासी रीतेश सोनी उर्फ टिंकल सोनी (40) पुत्र भगवतीचरण सोनी और टोडाभीम के खांदडा पाड़ा निवासी मदनमोहन सोनी (42) पुत्र रामदयाल सोनी को बेचा था। इस पर बालघाट थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हिण्डौन के सुनार चोरी का माल खरीदने वाले के आरोपित रीतेश सोनी उर्फ टिंकल सोनी और टोडाभीम के मदनमोहन सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इन दोनों से चोरी का माल बरामदगी के लिए सख्ती से पूछताछ कर रही है।

गंगासिंह विवि. में इंडोर स्टेडियम व ऑडिटोरियम का उद्घाटन

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अगले साल का बजट स्टूडेंट्स और यूथ को समर्पित रहेगा। उन्होंने दावा किया कि नकल रोकने के लिए प्रदेश सरकार कोई कमी नहीं रखेगी। जो नकल करेगा और करायेगा, उन सभी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। एक दिन की बीकानेर यात्रा के दौरान गहलोत यहां महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां इंडोर स्टेडियम और ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया।

- इस मौके पर सीएम गहलोत ने कहा कि हमने पिछले बजट कृषि को समर्पित किया था और अगला बजट यूथ और स्टूडेंट्स के लिए होगा।

गहलोत ने तय समय से कुछ पहले महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में बने विशेष हैलीपेड पर उतरने के बाद महात्मा गांधी की प्रतिमा का उद्घाटन किया। इसके बाद गहलोत ने इंडोर स्टेडियम और ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। इस मौके पर गहलोत ने कहा कि देश के कई राज्यों में नकल हो रही है लेकिन नकल पर कानून हमने बनाया है। नकल करने वालों पर एसओजी ने बहुत गंभीरता से कार्रवाई की है।

इस मौके पर गहलोत ने खिलाड़ियों को तीन से नौ लाख रुपये तक व्यक्तिगत रूप सहायता के रूप में दिए। ये खिलाड़ी देश व दुनियां में अपना नाम रोशन कर चुके हैं। इस मौके पर क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष व ओलंपियन खिलाड़ी कृष्णा पूनिया ने बताया कि राज्य के खिलाड़ियों को दी जाने वाली सहायता राशि तीन गुना बढ़ा दी गई है। ये राशि अब तीन करोड़ रुपये तक है। समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के अलावा उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र यादव, ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी भी उपस्थित थे। डॉ. कल्ला ने कहा कि अंग्रेजी माध्यम स्कूल की संख्या बढ़ा दी गई है। अब तीन हजार स्कूल खुल गए हैं। आने वाले दिनों में ये संख्या और बढ़ जायेगी।

सीएम गहलोत के साथ पहुंचे जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी का महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय परिसर में बने हैलीपैड पर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला, राजस्थान एग्रो डवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी, ऊर्जा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव, राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष कृष्णा पूनिया, विधायक जगदीश चन्द्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउंडेशन के महानिदेशक मदन गोपाल मेघवाल, केश कला बोर्ड के अध्यक्ष महेन्द्र गहलोत, भूदान बोर्ड के अध्यक्ष लक्ष्मण कड़वासरा, माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष डूंगर राम गेदर, श्रीडूंगरगढ़ विधायक गिरधारी महिया, कुलपति विनोद कुमार सिंह, पूर्व मंत्री वीरेन्द्र बेनीवाल, पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा, यशपाल गहलोत सहित अन्य दर्जनों लोगों सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

सीएम का बीकानेर दौरा जनता को निराश करने से ज्यादा कुछ भी नहीं : भाजपा

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बीकानेर दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पूरा प्रदेश अराजकता और निराशा के दौर से गुजर रहा है। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने प्रश्न उठाया कि मुख्यमंत्री को बीकानेर में तकनीकी विश्वविद्यालय की दुर्दशा को भी देखना चाहिए जहां के प्रो. जैसे पद पर कार्यरत कर्मचारियों को 6 माह से वेतन नहीं मिल रहा है। जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की बीकानेर के लिए की गई समस्त बजट घोषणाएं ठंडे बस्ते में पड़ी है।

- भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रश्न उठाया कि मुख्यमंत्री को बीकानेर में तकनीकी विवि. की दुर्दशा को भी देखना चाहिए
- 'बीकानेर के लिए की गई समस्त बजट घोषणाएं ठंडे बस्ते में पड़ी है'

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि बीकानेर के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार करने वाले सीएम की महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में इंडोर खेल ऑडिटोरियम का उद्घाटन और श्रेय लेने की राजनीति समझ से परे है। क्योंकि इस विशाल खेल ऑडिटोरियम के निर्माण में वर्तमान राज्य सरकार ने एक रुपये का भी धन का सहयोग नहीं किया है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में तत्कालीन कुलपति के प्रयासों से इस इंडोर हाल के लिए धनराशि और स्वीकृति जारी हुई थी। 40 करोड़ की लागत से सड़कों का चौड़ाईकरण, पब्लिक हैल्थ कॉलेज, मिनी फूड पार्क, आयुर्वेद एकीकृत महाविद्यालय, नई स्वतंत्र मंडी, बहुउद्देशीय खेल काम्प्लेक्स इत्यादि घोषना अभी तक भी सिरे नहीं चढ़ी है। बीकानेर में रेल फाटक की समस्या, ड्राई पोर्ट, एयरपोर्ट के विस्तार के लिए नि:शुल्क भूमि आवंटन, बीकानेर को सौर ऊर्जा हब की घोषणा सहित कई पूर्व लंबित मांगों पर सरकार सिर्फ कुंडली मार कर बैठी है।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य ने कहा कि बीकानेर जिले में किसी भी विभाग में आम जनता का कार्य नहीं हो पा रहा है। डॉ. आचार्य ने कहा कि जिस यूनिवर्सिटी में मुख्यमंत्री खेल परिसर का उद्घाटन कर रहे हैं। उस परिसर में सरकार अभी तक पेयजल आपूर्ति तक नहीं कर पा रही है। सरकार मे 3 बड़े मंत्री होने के बावजूद भी बीकानेर का विकास पूर्ण रूप से अवरुद्ध है। शहर की जर्जर सड़कें, संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल की समस्याओं का निराकरण, समेत पूर्ववर्ती सरकार द्वारा किये गए विकास कार्यों का रखरखाव तक नहीं हो पा रहा है।

जिला महामंत्री मोहन सुराणा, अनिल शुक्ला, नरेश नायक, जिला मंत्री और मीडिया प्रभारी मनीष आचार्य ने कहा कि जिला प्रशासन के पास बीकानेर के विकास का किसी भी प्रकार का कोई रोड़ मैप नहीं है।

हरे पेड़ों की कटाई बदस्तूर जारी, विभाग मौन

डूंगरपुर, (नि.सं.)। पेडों की अवैध कटाई के लिए पटवारियों को जवाबदेह मानने के प्रशासनिक आदेशों के बावजूद साबला पंचायत समिति के कई क्षेत्रों में हरे पेडों पर कुल्हाडी चलाने का दौर बदस्तूर जारी है। उधर राजस्व कार्मिकों व विभागों के अधिकारियों की मिलीभगत के चलते तस्करों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो पा रही है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में पेड़ धराशाही हो रहे हैं।

- पटवारियों की मिलीभगत के चलते रोज सैकड़ों पेड़ काटे जा रहे हैं

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोडीगामा पटवार मंडल के अंतर्गत कई नींम व आम के पेड़ काट दिए गए हैं। बाद इसे नवा पादर के पास पेडों को काटकर स्टॉक किया गया है। जिसे रात में ट्रकों में भरा कर रवाना कर दिया जाता है। साबला के झरियाणा, बोडीगामा, पिंडावल, पचलासा, तालोरा में तस्करों द्वारा आए दिन हरे पेड़ काटे जा रहे हें । जानकारी विभागीय अधिकारियों को देने के बाद भी मिलीभगत के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। काटे गए पेडों को भरने के लिए इनके पास निजी क्रेन भी हैं। जो मिनटों में ट्रकों में भरकर रातों-रात रवाना कर देते हैं। किसी पेड़ के काटने की सूचना मिलती है तो मामला दर्ज कर कुछ दिनों बाद लकडी की नीलामी की जाती है। नीलामी भी उसी व्यक्ति को की जाती है जिसने पेडों को कटवाया है। वही कुछ राशि सरकारी खाते में दर्शा कर इतिश्री कर ली जाती है। जिससे राजस्व आए तो हो जाती है, परंतु तस्करों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने से पेडों की कटाई नहीं रुक रही है। वही तस्कर पटवारियों की मिलीभगत के चलते रोज सैकडों पेड की बलि हो रही है। पेडों की कटाई का कार्य स्थानीय व बाहरी तस्करों द्वारा किया जा रहा है। मुकेश सरगडा पटवारी बोडीगामा बडा ने बताया कि मैं मौके पर गया था मौका पर्चा बनाया है। वन विभाग के अधिकारियों को भी सूचना दे दी है और अभी तहसील में भी रिपोर्ट दे रहा हूं। साबला तहसीलदार दिशा गांधी से जानकारी चाहने पर बताया कि मैं इस मामले को अभी दिखवा लेती हूं।

गलियाकोट में ढाई इंच बारिश, जलाशयों में हुई पानी की आवक

डूंगरपुर, (निसं)। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद डूंगरपुर में गुरुवार रात मूसलाधार बारिश हुई। करीब 1 घंटे तक तेज बारिश की वजह से शहर से लेकर गांव तक कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। जिले में सबसे ज्यादा बारिश गलियाकोट में ढाई इंच तो सबसे कम बारिश चिखली और निठाऊवा क्षेत्र में दर्ज की गई।

जिले में पिछले कुछ दिनों से रात के समय हल्की बारिश जारी है, वहीं दिन में आसमान खुला रहता है। कभी दिन में हल्की बूंदाबांदी या रिमझिम बरसात होती है। गुरुवार शाम 7 बजे आसमान में बादल मंडराए। हल्की बूंदाबांदी भी हुई। आधी रात को आसमान में तेज बिजली कडकडाने लगी। तेज आवाज के साथ हवाएं चली और फिर झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। रात को शहर की सडकों पर पानी बहने लगा। खेतों से लेकर खाली पडे प्लॉट में भी पानी भर गया। बारिश शुरू होते ही बिजली भी बंद हो गई तो लोगों को भी परेशानी हुई। करीब घंटे भर तक तेज बारिश के बाद हल्की बूंदाबांदी हुई और फिर बारिश थम गई। शुक्रवार को दिन खुल गया।

कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश गलियाकोट में ढाई इंच (66 एमएम) रिकॉर्ड की गई। डूंगरपुर में 45 एमएमए देवल में 41 एमएम, कनबा में 24 एमएम, सागवाडा में 27 एमएम, धंबोला में 28 एमएम, वेंजा में 38 एमएम, चिखली में 14 एमएम, आसपुर में 62 एमएम, गणेशपुर में 44 एमएम, साबला में 24 एमएम, निठाउवा में 15 एमएम, फलोज में 54 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। बारिश के बाद किसानों में खेतों में मक्का, उडद, बाजरी सहित कई फसलों को बुवाई पूरी कर ली है, वहीं किसान बारिश से खुश नजर आ रहे हैं।

जोधपुर में बरसात हुई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में करीब चार बजे आधे घंटे तक जमकर बरसात हुई। देखते ही देखते सडकें दरिया बन गई, मगर बरसात के बन्द होने के कुछ ही देर बाद सडकें सूख भी गई । तेज व संतोष देने वाली बारिश का अब भी लोगों को इन्तजार है। वैसे सावन के साथ ही बरसात की रिमझिम शुरू हो गई थी।मौसम विभाग का कहना है कि मानसून की परिस्थितियों के अनुसार अगले दो दिन भी बारिश की संभावना बनेगी, लेकिन ट्रफ लाइन के हिमालय की तरफ शिफ्ट होने की वजह से तेज बारिश की संभावनाएं कम हो जाएंगी। पाकिस्तान के ऊपर एक ऊपरी हवाओं का चक्रवात बना था, जिसके असर की वजह से अरब सागर की तरफ से बादलों व नमी की आवाजाही शुरू हो गई थी।

चार बाल श्रमिक मुक्त कराये

डूंगरपुर, (निसं)। सीमलवाडा के विभिन्न स्थानों से 4 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा के निर्देशन अनुसार एसआईयूसीएडब्लयू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार सवारिया के निर्देशन में मासूम अभियान के तहत बाल श्रम रोकथाम हेतु मानव तस्करी विरोधी एवं गुमशुदा प्रकोष्ठ से हेड कांस्टेबल बलदेव सिंह, कानी हर्षवर्धन सिंह, चाइल्ड लाइन डूंगरपुर से समन्वयक मेहुल शर्मा, श्रम विभाग से वरिष्ठ सहायक कालू शंकर मीणा, कनिष्ठ सहायक पंकज पाटीदारए सृष्टि सेवा समिति से लॉ ऑफिसर सुरेंद्र ढोली, फील्ड जितेंद्र कटारा, हेमंत गोस्वामी द्वारा शुक्रवार को संयुक्त रूप से सीमलवाडा के विभिन्न स्थानों से 4 बाल श्रमिकों को मुक्त करा अग्रिम सहायता हेतु बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भावेश जैन एवं सदस्य विजय रावल के समक्ष पेश किया गया और नियोक्ताओं के विरुद्ध उचित कारवाही की जा रही है।

'राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने में कला एवं संस्कृति विभाग कर रहा भारी फर्जीवाड़ा'

चूरू, (कासं)। कला एवं संस्कृति विभाग सचिवालय जयपुर द्वारा राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने में भारी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। इस ओर ना तो कला एवं संस्कृति मंत्री बीडी कल्ला ध्यान दे रहे हैं और ना ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत। फिल्म निर्माता इन दोनों से बार-बार गुहार लगा चुके हैं कि राजस्थानी फिल्मों को अनुदान राशि जारी करें। सबसे दु:खद बात तो यह है कि कला एवं संस्कृति मंत्री बीडी कल्ला और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कमेटियों ने फिल्मों का प्रीव्यू देखे बिना ही उन्हें अनुदान की कतार से बाहर कर दिया।

फिल्म बावळती के निर्माता व निदेशक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि जयपुर में इन कमेटियों ने मनमाने तरीके से कागजों में ही फिल्मों का प्रीव्यू कर लिया। फिल्म निर्माताओं को तो सूचना देना भी उचित नहीं समझा। निर्माताओं को प्रीव्यू के दौरान नहीं बुलाए जाने से ही स्पष्ट हो

- फिल्म 'बावळती' के निर्माता व निदेशक ने बताया कि फर्जी तरीके से कागजों में फिल्मों का प्रीव्यू किया

रहा है कि प्रीव्यू में सरासर गलत हुआ है।

उल्लेखनीय है कि मार्च 2021 में 17 फिल्मों का प्रीव्यू करने का ढोंग रचा गया और जिद्दी आशिक, कन्यादान, कछुआ, दुल्हनिया किस्तों में, पाणी, रीति रिवाज, म्हारो भैरू भगवान, बावळती, बाबुल थारी लाडली, मां, मेवाड़ के पन्ने इन 11 फिल्मों को खारिज कर दिया गया। जिन फिल्मों को अनुदान दिया उन्हें भी पूरा नहीं दिया। सिर्फ 6 फिल्मों को मात्र 30 लाख रुपये अनुदान देकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली। महारो गोविन्द, शंखनाद और तावड़ो द सन लाईट को 7-7 लाख रुपए और कानूड़ो, ठकुराईन व राजू राठौड़ को मात्र 3-3 लाख रुपए ही दिए गए। जबकि एक फिल्म को 25 लाख रुपए अनुदान देने की घोषणा कर रखी है। कला एवं संस्कृति विभाग फिल्मों को अनुदान नहीं देने का कोई कारण भी नहीं बता रहा है। यहां निर्माताओं का कहना है कि अनुदान देना ही नहीं है तो फिर घोषणा क्यों कर रखी है। सरकार की खोखली घोषणा के कारण निर्माता भटक रहे हैं। उनका कहना है कि फिल्मों को अनुदान दिया जावे या फिर अनुदान देने की घोषणा वापस ले लो, कोई नहीं आएगा अनुदान मांगने। इस प्रकार राजस्थानी फिल्मों के साथ खिलवाड़ तो नहीं होगा।

वास्तव में देखा जाए तो घोषणा के अनुसार राजस्थानी फिल्मों को अनुदान नहीं मिलने से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ही छवि खराब हो रही है। घोषणा तो मुख्यमंत्री ने ही की थी, अब उस घोषणा के अनुसार दर्जनों फिल्मों को अनुदान नहीं मिलना खुद घोषणा के साथ अन्याय है। जयपुर में हुए फर्जी प्रीव्यू की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। कब, कहां और किसने देखा प्रीव्यू सबकी जांच हो। जिनके हस्ताक्षर हैं, वे उस समय कहां थे, इसकी जांच हो। पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ जाएगा। कुल मिलाकर इस प्रकार से तो राजस्थानी सिनेमा का भला नहीं होने वाला है। सरकार सिनेमाघरों को भी राजस्थानी फिल्में प्रदर्शित करने के लिए पाबंद नहीं कर रही है।

अगर सिनेमाघरों में एक निर्धारित संख्या में राजस्थानी फिल्में प्रदर्शित करने का नियम बना दिया जाए तो फिर अनुदान की आवश्यकता ही नहीं है, लेकिन सरकार ये काम भी नहीं कर रही है। कांग्रेस सरकार के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है। मुख्यमंत्री गहलोत को खुद इस ओर विशेष ध्यान देकर वंचित फिल्मों का प्रीव्यू करवाकर उन्हें अनुदान राशि जारी करनी चाहिए। पिछली सरकार भी राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने में खरी नहीं उतरी थी। इन्होंने तो उनको भी भला कहलवा दिया है।

गौहर चिश्ती को रिमांड पर भेजा

अजमेर, (कास)। सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह के मुख्य द्वार निजाम गेट के बाहर गत 17 जून को सर तन से जुदा करने वाले भडकाऊ भाषण लगाने वाला खादिम गौहर चिश्ती को अजमेर पुलिस ने हैदराबाद पुलिस की मदद से हैदराबाद के सांई नाथ गंज स्थित गौस महल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गौहर चिश्ती को शरण देने वाले अहसान उल्ला खान उर्फ मुनव्वर को भी गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को जानकारी दी। जहां शुक्रवार देर शाम गौहर चिश्ती को मजिस्ट्रेट अजंता अग्रवाल के निवास पर पेश किया, जहां उसे 22 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर लिया है।

वहीं दूसरी ओर दरगाह थाना प्रभारी दलबीर सिंह ने बताया कि गौहर चिश्ती को 22 जुलाई 2022 तक पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया है और उसको शरण देने वाले अहसान उल्ला खान उर्फ मुनव्वर को जमानत दे गई और अनुसंधान जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने पत्रकारों को बताया कि 25 जून को परिवादी जयनारायण पुत्र कालूराम निवासी हाल विनायक बिहार कॉलोनी

- अजमेर पुलिस ने हैदराबाद पुलिस की मदद से हैदराबाद के सांईनाथ गंज स्थित गौस महल से गिरफ्तार किया

फायसागर रोड पुलिस थाना गंज हाल कानि. थाना दरगाह ने पुलिस थाना दरगाह में लिखित रिपोर्ट पेश की, जिसमें दरगाह थाना अधिकारी को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु निवेदन किया। रिपोर्ट में बताया कि 17 जून को 3 बजे निजाम गेट पर ड्यूटी पर उपस्थित था, उसी समय बाद नमाज जुम्मा की गौहर चिश्ती सहित अन्य कुछ खादिमों द्वारा निजाम गेट पर पूर्व निर्धारित व अनुमति प्राप्त कार्यक्रम मौन जूलुस कि शर्तों का उल्लंघन करते हुए, एक रिक्शा पर लाउड स्पीकर लगाकर भाषणबाजी शुरू कर दी, उस समय करीब 2500-3000 व्यक्तियों कि भीड़ दरगाह के सामने थी। जबकि खादिम गौहर चिश्ती को पूर्व में थानाधिकारी व वृताधिकारी ईस्लाम खां उपअधीक्षक द्वारा समझाईश की गई, जिसको दरकिनार करते हुए हत्या जैसे अपराध करने कि नियत से एक साथ दुष्प्रेरण करते हुए एक विवादित नारा लगाते हुए भीड़ को उकसाया तथा नारेबाजी की। प्रशासन द्वारा जारी लाइसेसं का पूरी तरह उल्लंघन करते हुए लाउड स्पीकर का उपयोग किया गया।

एसपी जाट ने बताया कि सूचना और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मुख्य आरोपी सैयद गौहर हुसैन चिश्ती पुत्र सैयद सफदर चिश्ती निवासी शकूर बिल्डिंग छोटा चौक खादिम मोहल्ला पुलिस थाना दरगाह हाल मकान नम्बर 18/158 डिग्गी बाजार सौदागर मोहल्ला पुलिस थाना कोतवाली के हैदराबाद में होने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर गठित टीम ने हैदराबाद में जाकर आरोपी गौहर हुसैन चिश्ती एवं अहसान उल्ला उर्फ मोहम्मद मुनव्वर के मकान की सतत् निगरानी की गई। गौहर चिश्ती के अहसान उल्ला उर्फ मोहम्मद मुनव्वर के मकान पर होने की सूचना पुख्ता होने पर हैदराबाद पुलिस से समन्वय स्थापित कर दबिश दते हुए मुख्य आरोपी सैयद गौहर हुसैन चिश्ती और अहसान उल्ला उर्फ मोहम्मद मुनव्वर को हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया।

अध्यापकों की कमी को लेकर विद्यालय के मैन गेट के ताला लगाकर प्रदर्शन किया

मात्र एक अध्यापक के भरोसे चल रहा ढाणी रामदेवरा का उच्च माध्यमिक विद्यालय

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकटवृति ग्राम ढाणी रामदेवरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापकों की कमी को लेकर ग्रामीणों व विद्यार्थीयों ने विद्यालय के मैन गेट के ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय को पिछले वर्ष क्रमोन्नत कर दिया गया था। लेकिन क्रमौन्नत होने के बाद भी अध्यापको की कमी चल रही है। अभी वर्तमान में मात्र एक अध्यापक के भरोसे उच्च माध्यमिक विद्यालय चल रहा है। जिससे विद्यार्थियों की पढाई चौपट हो रही है। तथा अध्यापक न होने से विद्यार्थीयो का भविष्य भी अंधकार में है। पिछले वर्ष भी अध्यापकों की कमी के चलते विद्यार्थीयों की पढाई में भी व्यवधान हुआ था। इस बार हालात और भी बद्तर है। राज्य सरकार ने माध्यमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमौन्नत तो कर दिया लेकिन अध्यापकों की कमी अभी भी खल रही है। विरोध प्रर्दशन करने वालों में मनोज मेघवाल, मगलाराम मेघवाल, तारूराम मेघवाल, दौलतराम, भैराराम, सुमेरमल, पीथाराम मेघवाल सहित अनेक ग्रामीणों ने अध्यापकों की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

विद्यालय के बाहर ताला लगाकर प्रदर्शन करते ग्रामीण व विद्यार्थी।

ग्रामीणों व विद्यार्थीयों द्वारा विद्यालय की तालाबंदी के बाद मुख्य

- मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तथा यूसीईईओ ने तीन अध्यापकों तथा चार इंटरशीप को लगाने की बात कही

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिंघराज सिंघल आरपी गुलाबचंद मेघवाल तथा यूसीईईओ ताराचंद बारूपाल विद्यालय में पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया तथा मौके पर ही तीन अध्यापकों तथा चार इंटरशीप को लगाने की बात पर ग्रामीण सहमत होने पर विद्यालय का ताला खोल दिया गया। सीबीईओ सिंघल ने ग्रामीणों से कहा कि विद्यालयों में अध्यापकों की कमी के बारे में उच्च अधिकारीयों को अवगत करवाकर समाधान का प्रयास किया जायेगा।

''हमने कांग्रेस की सरकार बनाई भी है, बचाया भी है, लेकिन हम कांग्रेस कल्चर में सेट नहीं हो पाए हैं''

दो बार कांग्रेस में आकर मंत्री बनने वाले गुढ़ा ने अब कांग्रेस सरकार और संगठन के कामकाज पर सवाल उठाये

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस में 2 दिन सब कुछ ठीक चलता है और अचानक किसी का बयान आ जाता है जिससे कि एक दूसरे की परतें उड़ने लगते हैं। अब राज्य के सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने ना सिर्फ कांग्रेस सरकार के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाया बल्कि उन्होंने तो कांग्रेस में नंबर दो माने जाने वाले मंत्री शांति धारीवाल का अलाईमेंट ही गड़बड़ बता दिया। इतना ही नहीं गुढ़ा ने तो यहां तक कह दिया कि हम लोग कांग्रेस कल्चर के लोग नहीं हैं। हमने कांग्रेस की सरकार बनाई भी है। इसको बचाया भी है, लेकिन हम कांग्रेस कल्चर में सेट नहीं हो पाए हैं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर जन सुनवाई करने के बाद मंत्री गुढ़ा ने इससे भी आगे बढ़कर कांग्रेस के कामकाज के तरीके पर भी सवाल उठा दिए और कहा कि पता नहीं कांग्रेस का कल्चर क्या है , लेकिन हम हमारे हिसाब से आते हैं। मुख्यमंत्री जानते हैं हम किस मूड के आदमी हैं, बाकी का पता नहीं वह कैसे जाते हैं। गुढा ने कहा कि

■ **क्या इस बयान का सियासी मायने यह हैं कि गुढ़ा आकने वाले दिनों में फिर अपनी पुरानी पार्टी में जा सकते हैं?**

कांग्रेस का कल्चर समझ नहीं आता। हम हाथों-हाथ लोगों के काम करते हैं। हमारा तो यही है कि रोज जब जनसुनवाई करते हैं तो 500 से 1000 लोग आते हैं, यह रूटीन का काम है।

उन्होंने कहा कि पीसीसी में मुझे बहुत हल्का लग रहा है। मैं अकेला अपने क्षेत्र में हजार-पांच सौ लोगों की जनसुनवाई करता हूं और यहां पर बहुत कम लोग हैं। प्रदेश कांग्रेस में अगर लोगों की समस्याओं का समाधान हो तो इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी, इसका रिजल्ट शानदार आएंगे।

गुढ़ा ने कहा कि हमारे काम हो रहे हैं, थोड़े बहुत अटक रहे हैं, उसके लिए थोड़ा सा अलाइनमेंट गड़बड़ है, वह ठीक कर देंगे। दिल्ली तो नहीं जाएंगे, लेकिन कहीं थोड़ा बहुत जो अलाइनमेंट गड़बड़ है, उसको ठीक करेंगे। अलाइनमेंट थोड़ा सा शांति धारीवाल का गड़बड़ है। उसको ठीक करेंगे। धारीवाल के अलावा कोई मंत्री ऐसा नहीं है, जिसका अलाइनमेंट गड़बड़ हुआ है।

मंत्री गुढ़ा ने अफसरशाही के तरीके पर भी सवाल उठाया और कहा कि यह मेरा सुझाव है कि सरकार है तो अधिकारियों पर लगाम खींच कर रखनी चाहिए। हम लोग तो मजबूत सवार है। लोगों का हाथों-हाथ काम होना चाहिए। अफसरों को टाइम बाउंड करें, उन्हें कसें। वह आईएएस हो या आईपीएस, तुरंत काम हो। रिक्वेस्ट करने से काम नहीं चलेगा।

उल्लेखनीय है कि राजेंद्र सिंह गुढ़ा दो बार बसपा के टिकट पर जीत कर आए और दोनों बार ही में कांग्रेस में आकर मंत्री बने। गुढा एक बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव हार गए थे। ऐसे में उनके इस बयान के सियासी मायने यह भी लगाए जा रहे हैं कि वे आने वाले दिनों में कांग्रेस की हालत खराब देखकर अपनी मूल पार्टी में फिर जा सकते हैं।

विधानसभा में डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण आज

जयपुर, (का.सं.)। विधान सभा में बने डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण 16 जुलाई को सायं: 4 बजे भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. बी. रमणा करेंगे। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी करेंगे। इस दौरान राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में संसदीय लोकतंत्र के 75 वर्ष विषयक पर सेमीनार भी होगी।समारोह का सजीव प्रसारण यू-ट्यूब पर होगा। यह सजीव प्रसारण यूट्यूब पर देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायाधिपति अजय रस्तोगी व न्यायाधिपति दिनेश माहेश्वरी और राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायाधिपति संभाजी शिवाजी शिंदे विशिष्ठ अतिथि होगें। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन, कानून एवं संसदीय मामलात मंत्री शान्ति कुमार धारीवाल, नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया और सासंद रामचरण बोहरा की गरिमामयी उपस्थिति में होने वाले इस लोकार्पण समारोह में मंत्री मण्डल के सदस्य और विधायक मौजूद रहेंगे।

■ **भारत के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति एन. बी. रमणा करेंगे लोकार्पण जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.सी.पी. जोशी करेंगे**

ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिये पूरे प्रदेश में उठाएं सख्त कदम : उषा शर्मा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण को कैसे नियंत्रित करना है, इस बारे में परिवहन विभाग, नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण मण्डल मिलकर प्रभावी कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि आमजन को ध्वनि प्रदूषण से होने वाले नुकसान तथा इससे संबंधित नियमों के बारे में जागरूक किया जाए और साथ ही उनके द्वारा नियमों का सख्ती से पालन किया जाना भी सुनिश्चित किया जाये।

■ **'केंद्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार मुरादाबाद के बाद जयपुर सबसे ज्यादा ध्वनि प्रदूषण वाला शहर'**

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में प्रदेश के विभिन्न शहरों में ध्वनि प्रदूषण कम करने के लिए किये जा रहे प्रयासों तथा इसके लिए भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली।

शर्मा शुक्रवार को यहां शासन सचिवालय में प्रदेश के विभिन्न शहरों में ध्वनि प्रदूषण कम करने के लिए किये जा रहे प्रयासों तथा इसके लिए भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि हाल ही केन्द्र सरकार की ओर से हुए एक सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार मुरादाबाद के बाद जयपुर सबसे ज्यादा ध्वनि प्रदूषण वाला शहर है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है, जिस पर त्वरित रूप से कार्यवाही की जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि शहर में विभिन्न स्थानों को औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय या शांत परिक्षेत्रों में वर्गीकृत किया जाना चाहिये। इसके बाद इन क्षेत्रों में किन-किन गतिविधियों पर रोक लगाई जाए यह भी तय किया जाए। शर्मा ने कहा कि इसके पश्चात् इस संबंध में आम जन को जागरूक किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि नो हॉर्न्किंग जैसे अभियान चलाए जाएं तथा स्कूल और अस्पताल जैसी जगहों के आसपास निर्धारित दूरी तक साइलेंट जोन घोषित किये जाएं।

शर्मा ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से जुर्माने का प्रावधान भी किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए यातायात और पुलिस विभाग द्वारा लगातार मॉनीटरिंग व पेट्रोलिंग की जाए, ताकि लोग नियमों का पालन गंभीरता से करें। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण से होने वाले नुकसान के बारे में भी जनता को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जाए। इस अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख शासन सचिव शिखर अग्रवाल तथा पुलिस आयुक्त आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए पूर्व में की गई कार्यवाहियों तथा इस संबंध में केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशों तथा मौजूदा कानूनों एवं नियमों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में यातायात विभाग, नगर निगम तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

भारतीय चिंतन आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि सर्वकल्याण का है : भैयाजी जोशी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भैयाजी सुरेश जोशी ने कहा है कि भारतीय चिंतन कभी आत्मकेंद्रित नहीं रहा, बल्कि सर्व कल्याण का रहा है। सबके साथ शांति के साथ चलने और रहने का संदेश देने वाला रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय मनीषी, ऋषि, सन्यासी और विद्वान जहां भी गए ज्ञान लेकर गए हैं। भारत का इतिहास रहा है कि भारत में कभी किसी के साथ अन्याय नहीं किया है। भारत का हर व्यक्ति सहकारिता के साथ जीता है।

भैयाजी शुक्रवार को भारत विकास परिषद, राजस्थान उत्तर-पूर्व प्रांत की ओर से आयोजित प्रबुद्ध एवं संभ्रांत जन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत को जानने की महती आवश्यकता है। भारत के बनने और भारत के बनाने में बड़ी चुनौती है, क्योंकि भारत को भारतीय दृष्टि से जानने वाले कम है। हमें भारत को जानने वाला ही नहीं बल्कि भारत को मानने वाला भी बनना है। भारत को जानने वाले बनाना भी है। आज भारत के बनने और भारत के बनाने की आवश्यकता है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई

राज्य में शुक्रवार को 174 नए संक्रमित मिले, इससे पहले गुरूवार को 198 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। इस दौरान राज्य में 174 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इस बीच लगातार दूसरे दिन भी नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 1120 रह गए हैं। प्रदेश में शुक्रवार को नए 13 जिलों में 174 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 198 रोगी पाए गए थे।

इधर आज राजधानी जयपुर में थोड़ी वृद्धि के बाद 54 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 50, बीकानेर में 14, सिरोही में 13, अजमेर, भीलवाड़ा व उदयपुर में 8-8, नागौर में 7, अलवर में 5, डूंगरपुर में 3, बाड़मेर में 2 और हनुमानगढ़ तथा झालावाड़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं इस बीच 20 जिलों बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, गंगानगर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में शुक्रवार को भी लगातार दूसरे दिन भी नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 203 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 1120 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी 97 मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस कम होकर 380 रह गए हैं। हालाकि जोधपुर में इनकी संख्या बढ़कर 212 हो गई है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9572 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

दुर्गापुरा में 6 नए संक्रमित मिले

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 21 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 6 नए संक्रमित दुर्गापुरा में पाए गए हैं। इसके अलावा सिविल लाइंस, सांगानेर व वैशाली नगर में 4-4, आदर्श नगर, बस्सी, गांधी नगर व मानसरोवर में 3-3, बनीपार्क, गलता गेट, मालवीय नगर, मुरलीपुरा व सिरसी में 2-2 तथा चाकसू, जामडोली, झालाना डूंगरी, खातीपुरा, कोटपूतली, शास्त्री नगर और ट्रांसपोर्ट नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 7 संक्रमितों का पता गलत मिलने पर उन्हें ट्रेस किया जा रहा है।

पाबंदी के बावजूद कैसे हो रही है ई- सिगरेट की बिक्री?

जयपुर। हाईकोर्ट ने प्रतिबंध के बावजूद ई-सिगरेट की बिक्री होने पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सीजे एसएस शिंदे और जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश प्रियांशा गुप्ता की जनहित याचिका पर दिए। याचिका में कहा गया की केन्द्र सरकार ने वर्ष 2019 में कानून लाकर ई सिगरेट के निर्माण, आयात, बेचान और वितरण आदि पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद प्रदेश में ई सिगरेट आसानी से मिल रही है। शहर के कई इलाकों में नाबालिग खुले आम इसका सेवन करते नजर आते हैं।

गांगुली-जय शाह के कार्यकाल को लेकर बीसीसीआई पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 15 जुलाई । भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त इंग्लैंड में है और वहां वनडे सीरीज़ खेल रही है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के अलावा बीसीसीआई से जुड़े बड़े अधिकारी और पूर्व क्रिकेटर भी इंग्लैंड में मैच देखते हुए दिखाई पड़े जिसमें अध्यक्ष सौरव गांगुली भी शामिल थे। इस सबसे इतर बीसीसीआई से जुड़ा एक अहम डेवलेपमेंट देश में हुआ है।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह को बोर्ड में कार्यकाल पूरा होने को है, लेकिन बीसीसीआई की ओर से अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया है। बोर्ड का कहना है कि दोनों के कार्यकाल का जो कूलिंग ऑफ पीरियड है, उसे बढाया जाना चाहिए।

बीसीसीआई की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई है कि नियमों में संशोधन को लेकर जो बोर्ड ने याचिका दायर की है, उसकी सुनवाई जल्द होनी चाहिए। इस इस अपील पर चीफ जस्टिस एनवी. रमणा द्वारा कहा गया है कि वह देखते हैं कि क्या इस मामले की सुनवाई अगले हफ्ते हो सकती है। उल्लेखनीय है कि बोर्ड की ओर से 2019 में ही एक याचिका सर्वोच्च अदालत में डाली गई थी, जिसमें बीसीसीआई के संविधान में संशोधन की अपील की गई थी। इस याचिका में बोर्ड की ओर से अध्यक्ष, सचिव और अन्य अधिकारियों के कूलिंग ऑफ पीरियड को बढ़ाने की मांग की गई थी, साथ ही संविधान से जुड़े कुछ अन्य नियमों में बदलाव करने की इजाजत मांगी गई थी।

गौरतलब है कि सौरव गांगुली और जय शाह ने अक्टूबर 2019 में अध्यक्ष और सचिव पद का कार्यभार संभाला था। दोनों का कार्यकाल वैसे तो तीन साल का होता है, जो सितम्बर 2022 में जाकर खत्म होगा। समय नज़दीक है लेकिन बीसीसीआई की ओर से अभी आगे की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है, इसी वजह से बोर्ड कूलिंग ऑफ पीरियड (कार्यकाल खत्म होने से नई प्रक्रिया पूरी होने तक) को बढाने की मांग कर रहा है।

फॉर्म वापस पाने के लिए कोहली को तरीके तलाशने होंगे: गांगुली

लंदन,15 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि विराट कोहली को फिर से रन बनाने के लिए ''अपना फॉर्म ढूंढना होगा'' जबकि भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को लगता है कि नए सिरे से वापसी करने के लिए ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है।

कोहली को पहले ही वेस्टइंडीज में वनडे और टी20 सीरीज़ से आराम दिया जा चुका है, जिसका मतलब है कि वह लगभग एक महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। गांगुली ने कहा , ''हां, उसके लिए कठिन समय रहा है और वह यह जानता है। वह ख़ुद एक महान खिलाड़ी रहा है। वह खुद अपने मानकों को जानता है और उसके अनुरुप प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। मैं उसे वापसी पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए देख रहा हूं, लेकिन उसे अपना फॉर्म ढूंढना होगा और सफल होना होगा, जो वह पिछले 12-13 साल या उससे ज्यादा समय से करता आया है और ऐसा केवल विराट कोहली ही कर सकता है।

''ये चीजें खेल में होंगी। यह सबके साथ हुआ है। यह सचिन (तेंदुलकर) के साथ हुआ है, यह राहुल (द्रविड) के साथ हुआ है, यह मेरे साथ हुआ है, यह कोहली के साथ हुआ है। यह भविष्य के खिलाडियों के साथ भी होगा। यह खेल का हिस्सा है और मुझे लगता है एक खिलाड़ी के तौर पर बस ज़रूरी है सुनिए, यह क्या है इससे जानकार रहिए और जाइए अपने अंदाज़ में खेलिए।'' कोहली पिछले कुछ वर्षों से क्रिकेट के सभी प्रारूपों में एक ख़राब दौर से गुजर रहे हैं। उनका आखिरी अंतर्राष्ट्रीय शतक 2019 में आया था। आईपीएल में साधारण प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस महीने की शुरुआत में हुए एजबेस्टन टेस्ट में 11 और 20 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड के ख़िलाफ़ दूसरे और तीसरे टी20 में उन्होंने 1 और 11 रन बनाए। कमर में खिंचाव के कारण वह पहले वनडे से बाहर रहे और गुरुवार को दूसरे मैच में भी वह सस्ते में आउट हो गए। हाल ही में भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने भारत की टी20 एकादश में कोहली की जगह पर सवाल उठाए थे, विशेष रूप से कई इन-फॉर्म खिलाड़ी टीम में जगह पाने के लिए जूझ रहे थे। नेहरा ने कहा कि कोहली को इस तरह की चर्चाओं को अपने दिमाग़ से बाहर रखना चाहिए और केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। नेहरा ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क से वर्चुअल बातचीत में कहा, ''जब आप प्रदर्शन नहीं कर रहे होते हैं, तब चर्चा होगी, भले ही आप कोहली के स्तर के खिलाड़ीन हों। जब आप प्रसारण, अख़बार के लिए काम कर रहे होते हैं, तो यह हर दिन छप रहा होता है और जब आप खेल रहे होते हैं, तो आप अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं और ड्रेसिंग रूम के बाहर के लोगों की तथाकथित बाहरी आवाज़ों को नहीं सुनते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आप ड्रेसिंग रूम में कैसे हैं और आपके टीम के साथी, प्रबंधन और चयनकर्ता आपका समर्थन कैसे कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं विराट जैसे खिलाड़ीकी। हां, यह कहीं नहीं लिखा है कि विराट कोहली रन न बनाने पर भी भारत के लिए खेलते रहेंगे। ऐसा नहीं होगा लेकिन जब आपने अतीत में इतना कुछ किया है, तो आपको हमेशा अतिरिक्त मौके मिलेंगे।''

पूर्व कोच रवि शास्त्री सहित कई पूर्व खिलाडियों ने सुझाव दिया कि कोहली को क्रिकेट से ब्रेक की जरूरत है, कोहली खुद सहमत थे कि वह मानसिक रूप से खुद को फिर से तरोताजा करने के लिए कुछ समय निकाल सकते हैं। एजबेस्टन टेस्ट के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए उन्हें आराम दिया गया था और वे वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ 22 जुलाई से शुरू होने वाली सफ़ेद गेंद की सीरीज में नहीं खेलेंगे। नेहरा ने माना कि कोहली के लिए इस फॉर्म से बाहर निकलने का सबसे अच्छा तरीक़ा एक ब्रेक होगा और उन्होंने एशिया कप के लिए एक ''अलग विराट कोहली'' को देखने की उम्मीद की। नेहरा ने कहा, ''हर कोई जानता है कि आपने क्या किया है और आपके पास प्रतिभा है। 33-34 साल की उम्र में फिटनेस उसके लिए कोई समस्या नहीं है।

सिंधु सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में

कलांग (सिंगापुर), 15 जुलाई। पूर्व विश्व चैंपियन भारत की पीवी सिंधु ने चीन की हान युई पर शुक्रवार को रोमांचक जीत दर्ज करते हुए सिंगापुर ओपन 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

सिंधु ने सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में हान को रोमांचल क्वार्टरफाइनल में 17-21, 21-11, 21-19 से पराजित किया। सिंधु का फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की सायना का वाकई से मुकाबला होगा।

भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीतकर एक घंटे दो मिनट में मैच समाप्त कर दिया।

अन्य भारतीयों को क्वार्टरफाइनल में ही हार का सामना करना पडा। सायना नेहवाल को जापान की आया ओहोरी ने एक घंटे तीन मिनट में 21-13, 15-21, 22-20 से पराजित किया जबकि एच एस प्रणय को जापान के कोदई नरोका ने 12-21, 21-14, 21-18 से हराया। पुरुष युगल एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला को 48 मिनट में हार का सामना करना पडा।

हैदराबाद एफसी ने डिफेंडर एलेक्स साजी से करार किया

हैदराबाद, 15 जुलाई (भाषा) इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैम्पियन हैदराबाद एफसी ने डिफेंडर एलेक्स साजी से लंबे समय के लिये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। क्लब ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की।

कोहली को हम सभी के समर्थन की जरुरत: बाबर

कराची, 15 जुलाई । खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली का पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि रनों का सूखा ख़त्म करने के लिए पूर्व भारतीय कप्तान को हम सभी के समर्थन की ज़रूरत है।

कोहली को कोई शतक लगाए लगभग तीन साल हो गए हैं। उनके पास रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले आख़िरी वनडे में रन बनाने का मौका है।

हालांकि पाकिस्तान के कप्तान बाबर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे कोहली का समर्थन किया है।

श्रीलंका के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से एक दिन पहले पत्रकार वार्ता में बाबर ने कहा, ''मुझे बस यह महसूस होता है कि मौजूदा समय में कोहली को समर्थन की जरूरत है और बचाव की भी। मैंने उनको लेकर ट्वीट इसी वजह से किया क्योंकि मैं जानता हूं कि जब एक खिलाड़ी ऐसे दौर से गुजर रहा होता है तो उसे कैसा महसूस होता है और उन्हें हम सभी के समर्थन की जरूरत है।''

बाबर ने गुरुवार की रात को कोहली के समर्थन में ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा था, ''यह समय बीत जाएगा। मजबूत बने रहो।'' बाबर का कोहली को समर्थन, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से उनको मिले समर्थन के बाद आया है।

रोहित ने गुरुवार को मैच के बाद पत्रकार वार्ता में कहा था, ''एक ऐसा खिलाड़ी जिसने भारत को कई मैच जिताए हैं, ऐसे में आपको वापसी करने के लिए एक या दो पारियां ही लगती हैं। यही मुझे महसूस होता है और मुझे लगता है कि जो क्रिकेट को फॉलो करते हैं वह भी यही सोचते होंगे।''

कोहली का इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि वह भी एक इंसान हैं, यह किसी के साथ भी हो सकता है। कुछ कम स्कोर बनाने के बाद बडा स्कोर आता
ही है।

उन्होंने कहा, ''हम सभी को सोचना चाहिए कि कोहली भी इंसान हैं और उनके भी कुछ कम आ सकते हैं, लेकिन देखिए वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं।

''वह इतने सालों तक एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं और सभी बल्लेबाज़ों के लिए एक ऐसा समय आता है जब वह रनों के लिए जूझ रहे होते हैं। लेकिन निश्चित रूप से एक विपक्षी कप्तान के रूप में आप एक खिलाड़ी को जानते हैं कि वह किस स्तर का खिलाड़ी है, तो आप उम्मीद करते हो कि यह आपकी टीम के खिलाफ ना हो सके।''

कोहली ने इस साल सात वनडे में केवल 158 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल है।

33 वर्षीय कोहली आईसीसी वनडे रैंकिंग में बाबर और इमाम उल हक के बाद नंबर तीन पर हैं।

ऐश्वर्य के शानदार प्रदर्शन से चांगवन विश्व कप में भारत का दबदबा जारी

नयी दिल्ली, 15 जुलाई (भाषा) भारत के युवा निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन विश्व कप के पुरुषों के 50 मीटर थ्री पोजीशन्स के क्वालीफाइंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

दो भारतीय निशानेबाज रैंकिंग दौर में पहुंच गए जबकि कम से कम एक अन्य प्रतियोगिता के सातवें दिन शनिवार को होने वाले दो फाइनल में किसी एक में क्वालीफाई करने की स्थिति में है।

अनुभवी राइफल निशानेबाज चैन सिंह ने भी फाइनल का टिकट पक्का किया लेकिन दिन ऐश्वर्य के नाम रहा जो पुरुषों के 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन्स में 600 में 593 अंक जुटाने में सफल रहे।

उन्होंने नीलिंग और प्रोन के शुरूआती दो दौर में सभी निशाने बिल्कुल सटीक लगाये। स्टैंडिंग में हालांकि उनके सात निशाने सही नहीं लगे।

सेना के निशानेबाज चैन सिंह इस स्पर्धा में 586 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। अनुभवी संजीव राजपूत 577 अंक के साथ 40वें स्थान पर रहे और क्वालिफिकेशन में जगह नहीं बना सके।

मनु भाकर नेमहिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 288 अंक के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। वह अभी सातवें पायदान पर है और इस स्पर्धा का रैपिड चरण और फाइनल शनिवार को होगा। रिदम सांगवान 285 अंक के साथ 18वें पायदान पर है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे चरण में खेलेंगे पार्थिव

नयी दिल्ली, 15 जुलाई। पूर्व भारतीय विकेट कीपर पार्थिव पटेल फिर से क्रिकेट खेलते हुए नजर आयेंगे, वह सितंबर में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेंगे। स्पिनर प्रज्ञान ओझा, आल राउंडर रीतिंदर सोढी और तेज गेंदबाज अशोक डिंडा - ने भी लीग की खिलाडी ड्राफ्ट प्रक्रिया का हिस्सा बनने की पुष्टि कर दी है। पार्थिव इस तरह पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, यूसुफ पठान, हरभजन सिंह, पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली, महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और विश्व कप विजेता इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन के साथ जुड जायेंगे। एलएलसी के दूसरे सत्र में चार टीमें और 110 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर खेलेंगे।

दूसरा मैच जीतकर सीरीज़ में बरकरार इंग्लैंड

लंदन, 14 जुलाई। रीस टोप्ली (9.5 ओवर, 24 रन, छह विकेट) की शानदार गेंदबाजी के आगे भारतीय बल्लेबाजी लाजवाब नज़र आयी और 146 रन पर ऑल-आउट होकर इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को 100 रन से हार गयी। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 50 ओवर में 247 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में भारतीय पारी 146 रन पर ही सिमट गयी। भारत के लिये रवींद्र जडेजा ने 29(44), हार्दिक पांड्या ने 29(44) और सूर्यकुमार यादव ने 27 रन बनाये। इंग्लैंड के लिये टोप्ली ने छह विकेट झटके जबकि डेविड विली (नौ ओवर, 27 रन), ब्राइडन कार्स (सात ओवर, 32 रन), मोईन अली (चार ओवर, 30 रन) और लायम लिविंग्स्टन (दो ओवर, चार रन) को एक-एक विकेट हासिल हुआ। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन एकदिवसीय मैचों की श्रंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है। सीरीज़ का तीसरा मैच 17 जुलाई को खेला जाएगा जिसमें जीतने वाली टीम सीरीज़ विजेता होगी।

श्रीगंगानगर में बाढ़ के हालात, सेना बुलाने की तैयारी

श्रीगंगानगर इलाके में पिछले तीन दिनों से लगातार तेज वर्षा हो रही है और अब हालात बेकाबू हैं

श्रीगंगानगर, 15 जुलाई (कासं)। श्रीगंगानगर में शुक्रवार सुबह लगातार तीसरे दिन बरसात के बाद हालात विकट हो गए। गली मोहल्ले पानी से लबालब हो गए। घरों व दुकानों में पानी भर गया। सड़कों पर पानी भर जाने से लोग परेशान हैं। सड़क पर लगने वाली नारियल पानी की दुकानों के काउंटर पानी में तैरते दिखाई दिए। वहीं कई दुकानदारों ने दुकान में पानी घुसने से बचाने के लिए इसके आगे तिरपाल और ईंटें आदि लगाई। इलाके में पिछले तीन दिन से लगतार तेज बरसात हो रही है। ऐसे में तीसरे दिन हालात लगभग बेकाबू हैं। प्रशासन ने इस संबंध में सेना से संपर्क साधा है। सेना के पंप, और उपकरण मंगाए गए हैं तथा उसके टैक्नीकल स्टाफ को बुला लिया गया है। जिला प्रशासन लगातार सेना और बीएसएफ के संपर्क में हैं।

शहर के ब्लॉक एरिया, पुरानी आबादी, जवाहर नगर सहित कई इलाकों में निचले इलाकों में घरों में पानी भर गया। इस घरों के लोगों ने बैड पर शरण ली। शहर के कई इलाकों में लोगों ने नगर परिषद को फोन कर उनके यहां पानी निकालने की गुहार लगाई। सुखाड़िया मार्ग, अशोक नगर, मीरा चौक, गुरु रविदास चौक, सुखाड़िया सर्किल, गौशाला रोड, रवीन्द्र पथ, पुरानी आबादी और इसके आगे शहर के अधिकांश इलाकों में दूर तक बस पानी ही पानी नजर आ रहा था। सड़क के बीच के डिवाइडर पूरी तरह पानी में डूब गए। रोड पर से वाहन चलने के साथ ही पानी घरों और दुकानों में घुस गया। जिले के रायसिंहनगर, सूरतगढ़ और कई अन्य इलाकों में भी तेज बरसात की जानकारी मिली है। इन इलाकों में भी अल सुबह बरसात शुरू हुई। यह देर तक चलती रही। श्रीगंगानगर शहर में बरसात के कारण हालात सबसे ज्यादा बुरे थे।

- सेना से पम्प और उपकरण मंगाए गए हैं और उसका टैक्निकल स्टॉफ बुला लिया गया है।
- शहर के ब्लॉक एरिया, पुरानी आबादी और जवाहर नगर सहित कई इलाकों में घरों में पानी जमा है। सड़क के बीच के डिवाइडर भी जलमग्न हैं।
- निचली बस्तियों और झुग्गी झौंपड़ियों में रहने वालों की जान सांसत में।

श्रीगंगानगर में तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण जिले के अधिकांश इलाकों में पानी भर गया।

हरियाणा के गांव कालांवाली से श्रीगंगानगर में सेंधा नमक बेचने के लिए आई कल्लों का कहना था कि उसकी झोंपड़ी बरसात में बह गई है। इसके साथ ही नमक भी पानी में घुल गया है। उसने अपनी झोंपड़ी के सामने एक दुकान के आगे डेरा लगाया। आसपास के लोगों ने उनके लिए चाय और बिस्कुट उपलब्ध करवाए। वहीं दुकानदार भूपेंद्र सिंह और संदीप शर्मा दुकानों के आगे जमा पानी से सामान के बचाव में जुटे थे। इन लोगों ने दुकानों के आगे लोहे के बोर्ड और रेत के बैग लगाकर पानी रोकने की कोशिश की। इलाके में कई गाड़ियां फंसने से लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं निचले इलाकों में प्रशासन ने पंप लगाकर निकासी शुरू करवा दी है। सुबह करीब पांच बजे से इलाके में लगातार पानी बरस रहा है। कई इलाकों में सड़कों का पानी सीधे दुकानों में घुसता नजर आया।

एमएलए राजकुमार गौड़ ने बताया कि इलाके में तेज बरसात से निपटने की तैयारी कर ली गई है। जल्द ही सेना मोर्चा संभाल लेगी। पानी निकासी के लिए पुरानी आबादी, गुरूनानक बस्ती आदि इलाकों में पंप लगवा दिए गए है। एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि इलाके के हालात देखते हुए अब सेना को ही मोर्चा संभालना होगा। इसके लिए बातचीत प्रोसेस में है। सेना का टेक्निकल स्टाफ भी पानी निकासी की व्यवस्था संभालेगा। कुछ दान दाताओं ने कई क्षेत्रों में भोजन के पैकट भिजवाए है।

लामबंद विपक्ष

लखनऊ/ नई दिल्ली, 15 जुलाई (वार्ता)। संसद के आगामी मानसून सत्र में मोदी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के लिये विपक्षी दलों को लामबंद करने में जुटे तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर. एस.) के अध्यक्ष एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और विपक्षी दलों के कई नेताओं से बात की।

सूत्रों के अनुसार राव ने 18 जुलाई से आहूत संसद के मानसून सत्र में आर्थिक मुद्दों और अन्य ज्वलंत मसलों पर सत्तापक्ष को घेरने के लिये विपक्ष की एकजुटता का प्रयास तेज कर दिया है। इस कड़ी में आज उन्होंने यादव के अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के करीबी सहयोगियों, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से चर्चा की।

सपा के सूत्रों ने बताया कि राव से यादव से संसद के दोनों सदनों में विभिन्न मुद्दों पर सरकार को एकजुट होकर घेरने में टी.आर.एस. के सदस्यों का सहयोग करने की अपील की।

- विपक्ष को लामबंद करने की कोशिश में जुटे मु.मंत्री के.सी. आर।

सुखाड़िया वि.वि. के कुलपति प्रो. अमरीक सिंह निलम्बित

राज्यपाल कलराज मिश्र ने उन्हें अनियमितताओं और राजकार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलम्बित किया है

उदयपुर, 15 जुलाई (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मोहनलाल सुखडिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरीक सिंह को विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं एवं राजकार्य में बरती गई लापरवाही के कारण निलंबित कर दिया है।

राजभवन से जारी आदेश क्रमांक 3615 दिनांक 14 जुलाई 2022 के तहत राज कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर उन्हें निलंबित कर उनके विरुद्ध जांच कर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के आदेश दिए गए है। प्रो. अमरीक सिंह के निलंबन आदेश पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि "एक कुलपति के पद पर होते हुए भी शिक्षक के अनुरूप जो गुण होने चाहिए, वह उनमें नहीं थे। इससे इस बात की शंका उत्पन्न होती है कि वह वास्तव में शिक्षक है भी कि नहीं। फिर गलत दस्तावेज देकर भी सीधे वीसी जैसे पद पर आ गए। यह वास्तव में इस पद की गरिमा को गिराने वाला कृत्य था। दूसरा जिस प्रकार गुरुकुल वाले विश्वविद्यालय में इंवॉल्वमेंट हुआ। अपने यहां विश्वविद्यालय में दस साल का प्रोफेसर ना होते हुए भी डॉक्यूमेंट सबमिट कर दिए। इनको बुलाया तब भी उपस्थित नहीं हुए। एक तरफ से प्रशासन की व सरकार के नियमों की अवहेलना की उसके कारण से निलंबन तो होना ही था। यह निलंबन का केस तो पहले से ही बन गया जब इनकी डिग्री दस साल की नहीं थी। यह अपने आप निलंबित हो जाते लेकिन जांच में लंबा समय लगा। देर आयद दुरुस्त आयद। जो व्यक्ति जिस काबिल था उसे उसी प्रकार की सजा मिली।"

इधर भारतीय जनता पार्टी शहर जिला उदयपुर ने कुलपति के निलंबन आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि सत्य की सदैव जीत हुई है और असत्य को सबक मिला है। भारतीय जनता पार्टी उदयपुर ने राज्यपाल का आभार व्यक्त किया है। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कुलपति अमरीक सिंह ने तानाशाहीपूर्ण रवैये से विश्वविद्यालय के माहौल को खराब किया, वहां के अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और भ्रष्टाचार के मामले को सामने आने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं विशेषकर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया पर अनर्गल आरोप लगाकर बचने की असफल कोशिश की। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के नेतृत्व में भाजपा ने दो महीने से भी ज्यादा समय तक कलेक्ट्री पर धरना प्रदर्शन कर सरकार प्रशासन का ध्यान उनकी ओर उसी का आकृष्ट किया। आज सुखद परिणाम है कि ऐसे व्यक्ति को सबक मिला है।

- कुलपति प्रो. अमरीक सिंह के निलम्बन आदेश पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि "कुलपति पद पर रहते हुए भी शिक्षक के अनुरूप गुण उनमें नहीं थे। इस बात की शंका उत्पन्न होती है कि वह वास्तव में शिक्षक भी हैं या नहीं।"
- "उनका गुरूकुल वाले विश्वविद्यालय में इन्वॉल्मैंट हुआ। उन्होंने युनिवर्सिटी में दस साल तक प्रोफेसर ना रहने के बावजूद उसके डॉक्यूमैन्ट्स सबमिट कर दिए।"

शिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने अधिकार, जिसकी गारंटी देश के संविधान के अनुच्छेद 25 में दी गई है, को काम मे लेते हुये, पूजा-अर्चना कर सकें। इससे पूर्व, पाँच महिलाओं ने याचिका दायर करके उन हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा प्रतिदिन करने की अनुमति माँगी थी, जिनकी मूर्तियां मस्जिद की बाहरी दीवार पर स्थित हैं। लेकिन, मुस्लिम पक्ष ने इस केस को खारिज कर देने का निवेदन किया था। इसके बाद, अधीनस्थ अदालत ने संबंधित कॉम्पलेक्स का वीडियोग्राफी-सर्वे कराये जाने के आदेश दिये थे। सर्वे का काम 16 मई को पूरा हो गया था तथा 19 मई को इसकी रिपोर्ट अदालत में पेश कर दी गई थी। इसके बाद, हिन्दू पक्ष अदालत में कहा था कि ज्ञानवापी मस्जिद-शृंगार गौरी कॉम्पलेक्स के वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान, एक शिवलिंग मिला था।

बी.सी.सी.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रशासकों के रूप में छः वर्ष पूरे कर चुके हैं तथा इनका 3 साल का आवश्यक कूलिंग पीरियड़ भी बाकी हैं। मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमना की अध्यक्षता वाली बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी भी शामिल हैं, ने कोई वादा तो नहीं किया, लेकिन यह जरूरत हैं कि "देखेंगे" कि क्या इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह हो सकती हैं। इस प्रकरण की जल्द सुनवाई का अनुरोध वरिष्ठ वकील पी.एस. पाटवालिया ने किया था।

कोविड 19...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये। ऐक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1,39,033 हो गई। पूरे देश का टीकाकरण-आँकड़ा 200 करोड़ तक पहुँचने जा रहा है, शुक्रवार को यह संख्या 199.47 करोड़ तक पहुँच गई थी, जबकि 18.29 लोगों को पिछले 24 घंटे में टीका लगाया गया।

'अगर बच्चे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसा करने से जजों को शाम को और कार्य करने के लिए और अधिक समय मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट की बैंचेज़ सप्ताहांत में सुबह 10.30 बजे की सायं 4 बजे तक बैठती हैं।"

सैनिक की गोलीबारी में सेना के दो जवान शहीद

जम्मू, 15 जुलाई (वार्ता)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गोलीबारी की घटना में सेना के दो जवानों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। रक्षा सूत्रों ने कहा कि पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में सेना के एक शिविर में शुक्रवार की सुबह गोलीबारी की घटना में सेना के चार जवान घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि एक क्रोधित जवान ने अपने साथियों पर गोलियां चलाईं और बाद में अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। उन्होंने कहा कि गोलीबारी की घटना के कारण अज्ञात है। उन्होंने कहा कि दो जवानों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- एक क्रोधित जवान ने अपने साथियों पर गोलियां चलाईं और बाद में अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली, इस घटना में कुल चार सैनिकों को गोली लगी।

पाकिस्तान से लगे राजस्थान बॉर्डर पर अब "ड्रोन" से हैरोइन तस्करी

पाकिस्तान के हैरोइन तस्कर पहले चौड़ी पाइप डालकर उस पार से नशीले पदार्थ पहुंचाते थे

श्रीगंगानगर, 15 जुलाई (कासं)। राजस्थान से सटे पाकिस्तान बॉर्डर इलाकों में हैरोइन तस्करी लगातार बढ़ती जा रही है। बॉर्डर से सटे इलाकों में नशा तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले जहां बॉर्डर पार से पाइप से हैरोइन भेजी जाती थी। वहीं अब यह तरीका हाईटेक हो चुका है।

ढाई महीने में श्रीगंगानगर से लगते पाकिस्तान बॉर्डर पर 70 करोड़ रुपए से अधिक की हैरोइन पकड़ी जा चुकी है। इन मामलों में तस्कर किसानों को ही निशाना बना रहे हैं। इतना ही नहीं सप्लाई के लिए काला गुलाब जैसे अलग-अलग कोडवर्ड इस्तेमाल किए जाते हैं। पाकिस्तानी तस्कर भारतीय किसानों को धन का लालच देकर इस खेल में शामिल करते हैं। ये किसान भारत में हैरोइन के पैकेट आने के बाद उन्हें अपने खेतों में छुपाकर रखते हैं। इसकी एवज में उन्हें अपने खेतों में हैरोइन के पैकेट रखने होते हैं।

हैरोइन तस्करी के लिए फलां दुकान के सामने 'काला गुलाब' जैसे कोड वर्ड इस्तेमाल किए जाते हैं। यही निर्धारित कोड बताने पर हेरोइन की डिलीवरी दे दी जाती है। आरोपी इसे लेकर ज्यादातर पंजाब की ओर चले जाते हैं। तस्कर करीब दो साल पहले तक पाइप का उपयोग करते थे। पाकिस्तान के हैरोइन तस्कर सीमा के उस पार से चौड़ी पाइप हमारे इलाके में डालते थे और उसके जरिए हैरोइन यहां पहुंचा दी जाती थी।

करीब ढाई से तीन साल पहले तक इलाके में ऐसे पाइप पकड़े गए थे, लेकिन अब लम्बे समय से तस्करों ने ड्रोन का उपयोग करना शुरू कर दिया है। अब वे सीधे ड्रोन के जरिए इलाके में हैरोइन के पैकेट डालते हैं और यहां के किसानों से संपर्क करते हैं। एक ड्रोन के जरिए चार किलो तक के हैरोइन पैकेज भेजे जा सकते हैं। बॉर्डर से दूर होने पर तो इनका पता भी नहीं लगता है। बीएसएफ के सूत्रों के अनुसार नजदीक आने पर पंखा चलने जैसी हल्की आवाज आती है।

बीएसएफ जवान जितनी देर में इन पर निशाना साधता है, ड्रोन अपना काम करके पाकिस्तानी सीमा में लौट जाते हैं। इन्हें तीन से चार किलोमीटर दूर से ऑपरेट किया जाता है। आमतौर पर पाकिस्तान की आर्मी पोस्ट के पीछे से। अब बीएसएफ बॉर्डर पर एंटी ड्रोन तकनीक डेवलप करने पर विचार कर रही है।

इस फील्ड में काम कर रही कंपनियों से संपर्क साधा गया है। एसपी आनंद शर्मा बताते हैं कि रुपए के लालच में किसान अपराध कर रहे हैं। सीमावर्ती इलाके के किसानों को लालच देकर उनके खेत में पैकेट डाले जा रहे हैं। किसानों को हर पैकेट पर एक लाख रुपये दिए जाते हैं।

- पिछले ढाई महीने में श्रीगंगानगर से लगते पाकिस्तान बॉर्डर पर 70 करोड़ रूपए से अधिक की हैरोइन पकड़ी जा चुकी है।
- सप्लाई के लिए "काला गुलाब" जैसे अलग-अलग कोडवर्ड इस्तेमाल किए जा रहे हैं।
- भारत के किसान हैरोइन के पैकिट आने पर उन्हें अपने खेतों में छिपाकर रखते हैं।

कांग्रेस ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, 35 अरब डॉलर का विदेशी निवेश भी वापस आ गया था, जबकि भारत से जाने वाले निवेश की मात्रा 12 अरब डॉलर थी।

सुप्रिया ने कहा कि निवेशकों का मोदी सरकार में कोई विश्वास नहीं है क्योंकि आर.बी.आई. करीब 40 अरब डॉलर खर्च करने के बाद भी, रूपये की कीमत को बढ़ाने में विफल रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि इस सरकार की नीतियों में निवेशकों का रत्तीभर भी विश्वास नहीं रहा हैं।

उन्होंने कहा कि रूपये में आई गिरावट को लेकर प्रधानमंत्री तथा उनके चाटुकारों की फौज की सूचमेद्य खामोशी असफल अर्थव्यवस्था तथा बेलगाम महँगाई का स्पष्ट संकेत है क्योंकि सरकार दिशाविहीन एवं किंकर्तव्यविमूढ़ है तथा मोदी रूपये के लिये विषाक्त एवं नुकसानदायक हैं।

'अब संसद भवन परिसर में सांसद धरना एवं विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे'

राज्यसभा सचिवालय ने इस संदर्भ में शुक्रवार को यह नोटिफिकेशन जारी किया

नई दिल्ली, 15 जुलाई। मानसून सत्र से पहले नोटिफिकेशन आने का दौर जारी है। असंसदीय शब्दों की नई सूची जारी होने होने का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि एक और नोटिफिकेशन जारी हो गया। यह नोटिफिकेशन जारी होते ही विवाद भी उफान पर पहुंच गया। संसद की कार्रवाई के दौरान आप अक्सर देखते होंगे कि कुछ सांसद या पार्टियां किसी विषय को लेकर संसद परिसर में ही धरने करने लगते थे। ज्यादातर ये धरने परिसर में स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने हुआ करता था। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। दरअसल राज्यसभा सचिवालय के द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन में कहा गया है कि संसद भवन परिसर का इस्तेमाल धरना, प्रदर्शन, हड़ताल, अनशन या धार्मिक समारोहों के लिये नहीं किया जा सकता।

धरना-प्रदर्शन को लेकर यह नोटिफिकेशन ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी असंसदीय शब्दों के संकलन को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा था। मानसून सत्र से पहले राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी द्वारा जारी नोटिफिकेशन में इस विषय पर सदस्यों से सहयोग का अनुरोध किया गया है। बुलेटिन में कहा गया है कि, " सदस्य संसद भवन परिसर का इस्तेमाल धरना, प्रदर्शन, हड़ताल, अनशन या धार्मिक समारोहों के लिये नहीं कर सकते।" इस फैसले का विरोध करते हुए कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि, 'विषगुरू का ताजा प्रहार, धरना मना है। " उन्होंने इसके साथ 14 जुलाई का नोटिफिकेशन भी साझा किया है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही संसद में बहस आदि के दौरान सदस्यों द्वारा बोले जाने वाले कुछ शब्दों को असंसदीय शब्दों की श्रेणी में रखे जाने के मुद्दे पर विपक्षी दलों ने सरकार को घेरते हुए कहा था कि सरकार की सच्चाई दिखाने के लिए विपक्ष द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सभी शब्द अब असंसदीय माने जाएंगे।

रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम डील में अब अमेरिका आड़े नहीं आयेगा

अमेरिका की संसद ने प्रतिबंधों से भारत को छूट देने का विधेयक पारित किया

वाशिंगटन, 15 जुलाई (वार्ता)। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने एस -400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शन्स एक्ट (सी.ए.ए.टी.एस.ए.) प्रतिबंध में भारत को विशेष छूट दिलाने वाले संशोधित विधेयक को पारित किया है। अमेरिका ने रूस से एस- 400 मिसाइल प्रणाली को खरीदने को लेकर भारत के खिलाफ काट्सा एक्ट लागू किया था। भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी रो खन्ना द्वारा लिखित और पेश किए गए संशोधन विधेयक को प्रतिनिधि सभा ने भारी बहुमत से पारित कर दिया। संशोधन विधेयक के पक्ष में 330 वोट पड़े, जबकि 99 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया।

राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून (एन.डी.ए.ए.) पर सदन में चर्चा के दौरान गुरुवार को ध्वनि मत से संशोधित इस विधेयक को पारित कर दिया गया। इसका मकसद भारत को काट्सा में छूट प्रदान करना है।

खन्ना ने कहा, "अमेरिका को चीन के बढ़ते आक्रामक रूख के मद्देनजर भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत कॉकस के उपाध्यक्ष के तौर पर मैं हमारे देशों के बीच भागीदारी को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहा हूं ताकि भारत-चीन सीमा पर भारत अपनी रक्षा कर सकें। यह संशोधन अत्यधिक महत्वपूर्ण है और मुझे यह देखकर गर्व हुआ कि इसे दोनों दलों के समर्थन से पारित किया गया है।" सदन में अपनी टिप्पणियों में खन्ना ने कहा कि अमेरिका-भारत भागीदारी से ज्यादा महत्वपूर्ण अमेरिका के रणनीतिक हित में और कुछ भी इतना जरूरी नहीं है।

विधेयक में कहा गया है कि 'यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमेर्जिंग टेक्नोलॉजीस' (आई.सी.ई.टी.) दोनों देशों में सरकारों, शैक्षणिक समुदाय और उद्योगों के बीच करीबी साझेदारी विकसित करने के लिए एक स्वागत योग्य कदम है ताकि कृत्रिम बुद्धिमता, क्वांटम कम्प्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, एरोस्पेस और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में नवीनतम प्रगति को अपनाया जा सकें।

वर्ष 2017 में पेश काट्सा के तहत रूस से रक्षा और खुफिया लेन-देन करने वाले किसी भी देश के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का प्रावधान है। इसे 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मॉस्को के कथित हस्तक्षेप के जवाब में लाया गया था।

- भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी सांसद रो खन्ना कहा कि, इस मामले में पेश किए गए संशोधन विधेयक को प्रतिनिधि सभा ने भारी बहुमत से पारित कर दिया। संशोधन विधेयक के पक्ष में 330 वोट पड़े, जबकि 99 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया।
- विधेयक में कहा गया है कि, अमेरिका, भारत की बिजनैस एवं अन्य इनिशिएटिव डवलपमैंट की राह में हमेशा एक सहयोगी के तौर पर मदद करेगा।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस इतना मुस्कुरा क्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कभी भी किसी भी युद्ध में यदि प्रमुख हथियारों के रूप में इकोनॉमिक टूल्स का उपयोग किया गया, तो वो यह युद्ध है। रूस युद्ध की इस बड़ी भूल के बावजूद सरवाइव कर रहा है और उसका कारण है, गैस और ऑयल के उसके विशाल भंडार। सर्वाधिक अमीर और सर्वाधिक शक्तिशाली देशों की पंक्ति, रूस के विरोध में मंद पड़ गई है क्योंकि वे ऊर्जा के लिए पूरी तरह से रूस पर निर्भर हैं।

सख्त प्रतिबंधों और बहिष्कार का निशाना बनी रूस की इकॉनमी में जैसे नई जान पड़ गई। माना जा रहा था कि रूस की मुद्रा, रूबल में भारी गिरावट होगी। इसके बजाय, शुरू की गिरावट के बाद इसमें सुधार हुआ है। इतना ही नहीं, रूबल की एक्सचेंज रेट बेहतर होकर उस स्तर पर आ गई है जो रूस द्वारा युद्ध शुरू करने के पहले थी।

आर्थिक युद्ध में एनर्जी सप्लाई की अपनी भारी शक्ति से रूस प्रतिकार कर रहा है और पश्चिमी यूरोप फ्यूल की कमी का सामना करने के बाद नींद से जागा है। यूरोप बड़ी बेपरवाही से पूरी तरह से रूस की एनर्जी सप्लाई पर निर्भर हो गया था और अब इसके परिणाम भुगत रहा है।

जर्मनी की पूर्व चांसलर, एंजला मार्केल के नेतृत्व में यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यह मान कर चल रही थी कि, रूस से पावर सप्लाई बिना बाधा के जारी रहेगी। यह भ्रम अब बुरी तरह टूट चुका है और जर्मनी हमेशा के लिए गैस सप्लाई के स्थगन की संभावना पर विचार कर रहा है।

पश्चिमी दुनिया के लिये, दो स्पष्ट खलनायक हैं, जो मिलकर रूस की मदद कर रहे हैं- भारत और चीन। इस साल फरवरी से लेकर अब तक, इन दोनों देशों ने मिलकर कम से कम 24 अरब डॉलर की ऊर्जा रूस से खरीदी है। और यह तो एक छोटा-सा बदलाव है। यूरोपीय देश मिलकर इसकी कम से कम दस गुना गैस रूस से खरीदते हैं, बशर्ते उसके पास उपलब्ध हो तथा वह देना चाहे। लेकिन रूस का उद्देश्य तो यूक्रेन-समर्थकों को ऊर्जा-सप्लाई के लिये तरसाकर, दंडित करना है।

यह स्थिति यूरोप के लिये बड़ी खतरनाक है। अगर आप पाइप लाइनों तथा पड़ोस की शिपिंग लेनों जैसे सुस्थापित माध्यमों के जरिये, पिछले 20 साल से एक ही स्रोत (रूस) से ऊर्जा (गैस) खरीदते आ रहे हैं तो, आप एकाएक किसी दूसरे स्रोत (देश) से खरीदना शुरु नहीं कर सकते। गैस बाजार विशिष्ट रूप से क्षेत्रीय हुआ करते हैं तथा सप्लाई नैटवर्क से बंधे हुये होते है। तेल के विपरीत, गैस अगर तरल रूप में न हो तो उसे बहुत दूर स्थित स्थानों तक भेजा ही नहीं जा सकता। गैस के तरलीकरण के प्लांट बहुत ही कम हैं तथा उनमें आपस में काफी दूरी है तथा इन प्लांटों से एकाएक ऐसी अपेक्षा नहीं की सकती कि वे और ज्यादा तथा विभिन्न ग्राहकों को गैस सप्लाई कर सकें।

प्राकृतिक गैस पर्यावरण मित्रवत होने की दृष्टि पसंदीदा ईंधन माना जाता है। पिछले दो दशकों से, कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने के लिये, गैस के उपयोग अर्थव्यवस्था के लिये अनुकूल रहा है। इस प्रकार, यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएं प्राकृतिक गैस के उपयोग के फलस्वरूप विकसित हुई है। और अब उनके लिये गैस की उपलब्धता समाप्त हो गई है।

यूरोप को बार-बार सचेत किया जा रहा है कि इस साल की शीत ऋतु विशेष ठंडी रहेगी क्योंकि उनके घर तथा चूल्हे गैस की सुनिश्चित सप्लाई के बिना गर्म एवं आरामदायक नहीं रह सकेंगे।

गैस-सप्लाई में गतिरोध सारी दुविधा को समान रूप से प्रभावित कर रहा है। रूस पर लगाये गये प्रतिबंधों के कारण, रूसी गैस का लेन-देन, खासतौर से रूसी गैस की कीमत का भुगतान, बहुत मुश्किल हो गया है। इन घटनाक्रमों के कारण, गैस की कीमतें कुल मिलाकर बढ़ गई हैं तथा गैस विभिन्न प्रकार के उर्वरकों के उत्पादन के लिये मूलभूत "फीडस्टॉक" हुआ करती है। कहने का मतलब यह है कि गैस-अर्थशास्त्र के फलस्वरूप खाद्यान्न की कमी हो जायेगी, क्योंकि उर्वरकों (खाद) की कीमतें बढ़ जायेगी तथा बुवाई के समय से पहले ही उर्वरकों की कमी हो जायेगी।

गैस के अलावा, तेल के दाम भी बढ़ गये हैं। अब विभिन्न देशों से उतनी मात्रा में तेल खरीद पाना मुश्किल हो गया है, जितनी मात्रा उनकी अर्थव्यवस्थाओं को यथावत बनाये रखने के लिये जरूरी है। भारत का ही उदाहरण ले लीजिए, तेल की कीमतें बढ़ने से सारी चीजों की कीमतें बढ़ रही हैं। हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो हमें 1973 ऑयल स्टॉक की याद दिला रही है। यह प्रतिकूल परिस्थिति केवल इस लिहाज से अच्छी है कि दुनिया को यह अहसास हो जायेगा कि मानव जीवन के चलते रहने के लिये वैकल्पिक ईंधन अत्यावश्यक हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908